▪ आषाढ़ शुक्ल - 2 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 328 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 27-06-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 ब्रह्मोस, आकाश दुनिया के लिए विश्वसनीय बनीं : योगी आदित्यनाथ

6 ईरान और इज़राइल युद्ध में कौन जीता?

7 कुछ कहानियां सुनानी जरूरी होती हैं : चित्रांगदा सिंह

फर्स्ट टेक

खालिस्तानी आतंकी नेटवर्क : एनआईए ने पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में छापेमारी की

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने खालिस्तानी आतंकवादी नेटवर्क की जांच के लिए बृहस्पतिवार को पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में सिलसिलेवार छापेमारी की। एनआईए की टीम ने सुबह तीनों राज्यों में 18 स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने मोबाइल, डिजिटल उपकरण और दस्तावेजों समेत कई आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। एनआईए के एक बयान के अनुसार, प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के कार्यकर्ता कुलबीर सिद्धू, अमेरिका में रह रहा गैंगस्टर मनीष उर्फ काका राणा और भारत तथा विभिन्न अन्य देशों में स्थित उनके सहयोगियों से जुड़े संदिग्धों के परिसरों पर तलाशी ली गई।

मुंबई हवाई अड्डे पर 120 विदेशी जंगली जानवर बरामद, दो लोग हिरासत में

मुंबई/भाषा। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 120 जीवित विदेशी वन्य जीवों को जब्त किया गया। जब्त किए गए इन जानवरों में इगुआना और सुमात्रा धारीदार खरगोश जैसी दुर्लभ प्रजातियां शामिल हैं। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीमा शुल्क अधिकारियों ने बुधवार रात बैंकॉक से शहर पहुंचे मुंबई के दो निवासियों के सामान से यह इन्हें बरामद किया। अधिकारी ने बताया कि विदेशी जानवरों की बरामदगी के बाद दोनों लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि भूरी 'बेसिलिस्क' छिपकलियां, इगुआना, सुमात्रा धारीदार खरगोशों सहित 120 जीवित जानवर छोटे प्लास्टिक व जूट के बक्सों में भरे हुआ मिले।

चुनाव आयोग ने 345 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों को सूची से हटाया

नई दिल्ली/भाषा। चुनाव आयोग ने ऐसे 345 पंजीकृत गैर–मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की पहचान कर उनको सूची से हटाने का काम शुरु कर दिया है जो पिछले छह वर्षों में एक भी चुनाव लड़ने की आवश्यक शर्त को पूरा करने में विफल रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने मिलकर 345 पंजीकृत गैर–मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटाने की कार्यवाही शुरू कर दी है। इस दायरे में वे सभी राजनीतिक दल होंगे जो 2019 से कहीं भी सक्रिय नहीं हैं।

सूर्यास्त 27-06-2025 6:49 बजे	सूर्योदय 28-06-2025 5:56 बजे
BSE 83,755.87 (+1,000.36)	NSE 25,549.00 (+304.25)
सोना 10,216 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 107,267 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शुचिता जरूरी

क्षत्रिय राम कृष्ण यदुवंशी,
पूजे जाति वर्ग जब सारे।
कथा उन्हीं की कहने वाले,
समझ रहे खुद को क्यों न्यारे।
छद्म आचरण जो भी करते,
उनको भला कौन स्वीकारे।
व्यास पीठ शुचिता की द्योतक,
कपटी लगे सभी को खारे।।

शुभांशु शुक्ला, तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में दाखिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के धरती से 28 घंटे की यात्रा के बाद बृहस्पतिवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में प्रवेश करने पर वहां के चालक दल के सदस्यों ने उन्हें गले लगाकर और हाथ मिलाकर गर्मजोशी से स्वागत किया।

ड्रैगन श्रृंखला के पांचवें अंतरिक्ष यान, जिसका नाम ग्रेस है, को उत्तरी अटलांटिक महासागर के ऊपर भारतीय समयानुसार अपराह्न 4:01 बजे अंतरिक्ष स्टेशन के हार्मनी मॉड्यूल के साथ वहां संचार, विद्युत संपर्क और दबाव स्थिरीकरण स्थापित करने में दो घंटे का समय लगा।

नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''एक्सिओम 4 के चालक दल–कमांडर पैगी व्हिटसन, इसरो के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, पोलिश इंजीनियर स्लावोज उज्नान्स्की–विस्नीव्स्की, और मिशन विशेषज्ञ टिबोर कापू ड्रैगन अंतरिक्ष यान से बाहर निकले और पृथ्वी की निचली कक्षा में अपने घर पर नजर डाली।''

यह पहली बार है जब कोई भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा पर पहुंचा है। अपनी पांचवीं अंतरिक्ष उड़ान पर पहुंची व्हिटसन ने कहा, ''हम यहां आकर खुश हैं। एकांत में रहने का यह एक लंबा वक्त था।''

नासा के सीधे प्रसारित वीडियो लिंक में अंतरिक्ष यान को अंतरिक्ष स्टेशन के पास आते हुए दिखाया गया और 'डॉकिंग' प्रक्रिया भारतीय समयानुसार अपराह्न 4:15 बजे पूरी हुई।

'आप' के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन और सौरभ भारद्वाज के खिलाफ मामला दर्ज

दिल्ली (एसीबी) ने दर्ज किया मामला

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने आम आदमी पार्टी (आप) की पूर्ववर्ती सरकार में स्वास्थ्य अवसंरचना परियोजनाओं में कथित भ्रष्टाचार के संबंध में पूर्व मंत्रियों सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्रियों भारद्वाज और जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एसीबी से जांच कराने की मंजूरी दिए जाने के कुछ दिनों बाद यह मामला दर्ज किया गया है। 'आप' ने सवाल उठाया कि भारद्वाज और जैन के खिलाफ प्राथमिकी को क्यों छिपाकर रखा जा रहा है, जबकि चुनिंदा प्रेस नोट मीडिया को लीक किए जा रहे हैं। पार्टी कहा, ''क्या प्राथमिकी इतनी निराधार है कि भाजपा को डर है कि अगर इसे सार्वजनिक किया गया तो यह राष्ट्रीय मजाक बन जाएगा?''

हिंदी भारतीय भाषाओं की सखी, विरोधी नहीं : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ अपनी संस्कृति के आधार पर आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़ने के लिए देश का शासन उसकी अपनी भाषाओं में होना चाहिए

नई दिल्ली/भाषा। गृहमंत्री अमित शाह ने हिंदी को भारतीय भाषाओं की सखी करार देते हुए कहा है कि देश की सभी भाषाओं को सशक्त बनाने की जरूरत है क्योंकि हमारी भाषाएं देश को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है।

शाह ने गुरुवार को यहां राजभाषा विभाग के 'स्वर्ण जयंती समारोह' को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं हो सकती। हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की सखी है और हिंदी तथा भारतीय भाषाएं मिलकर ही हमारे आत्मगौरव के उत्थान के कार्यक्रम को अंतिम लक्ष्य तक ले जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने इसी वर्ष भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना की है और यह अनुभाग हर राज्य को इस काम के लिए सहायता करेगा कि राज्यों और भारत सरकार का प्रशासन भारतीय भाषाओं के आधार पर ही हो। देश में 12 भाषाओं में तकनीकी शिक्षा की शुरूआत हुई है।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश ने हिंदी में मेडिकल शिक्षा की शुरूआत की है, पूरा पाठ्यक्रम बनाया है और आने वाले दिनों में अन्य राज्य भी भी मेडिकल शिक्षा का पूरा पाठ्यक्रम अपनी भाषाओं में तैयार कर बच्चों को सुविधा उपलब्ध कराएंगे।

शाह ने कहा कि कोई भी देश अपनी भाषा के बिना अपनी संस्कृति, साहित्य, इतिहास और सामाजिक संस्कार को चिरंजीव नहीं रख सकता। अपनी संस्कृति के आधार पर आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़ने के लिए देश का शासन उसकी अपनी भाषाओं में होना चाहिए और इस महान उद्देश्य के साथ राजभाषा विभाग की शुरूआत हुई थी।

सिंधु जल संधि पर रोक पर भारत अडिग : पाटिल

पाकिस्तान के नेताओं की तरफ से जो धमकियां आ रही हैं वे निराधार हैं और उनसे कोई फर्क भारत को नहीं पड़ता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने सिंधु जल संधि पर रोक लगाने के भारत के रुख को दोहराते हुए आज कहा कि यह निर्णय हमारे राष्ट्रीय हितों को पूरा करता है और इसको लेकर जो फैसला भारत सरकार ने लिया है वो सही है।

पाटिल ने गुरुवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा कि पाकिस्तान के नेताओं की तरफ से जो धमकियां आ रही हैं वे निराधार हैं और उनसे कोई फर्क भारत को नहीं पड़ता है। उनका यह भी कहना था कि दोनों देशों के बीच तनाव अभी भी बना हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संधि के संबंध में जो भी निर्णय होगा वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार द्वारा ही लिया जाएगा। उन्होंने कहा, संधि की स्थिति पर कोई अपडेट नहीं है। इस संबंध में लिया गया कोई भी निर्णय केवल देश के हित में ही होगा। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की हालिया टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर पाटिल ने कहा पानी कहीं नहीं जाएगा। उनकी टिप्पणियाँ उनकी अपनी चिंताएँ हैं। हम खोखली धमकियों से नहीं डरते।

इंदिरा गांधी की तुलना हिटलर से,

भाजपा के सोशल मीडिया हैंडल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के सोशल मीडिया हैंडल पर एक कथित पोस्ट में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की तुलना एडोल्फ हिटलर से किये जाने को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के महासचिव एस मनोहर द्वारा 25 जून को हाई ग्राउंड्स थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर की गई।

मनोहर ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि भाजपा के आधिकारिक 'एक्स' खाते से बुधवार को अपराह्न तीन बजकर 54 मिनट पर इंदिरा नॉट इक्वल्स इंडिया, इंदिरा=हिटलर' शीर्षक से एक पोस्ट किया गया, जिसमें भारत में आपातकाल के दौर से संबंधित 38 सेकेंड का एक वीडियो भी था।

कांग्रेस को आपातकाल लगाने के लिए माफी मांगनी चाहिए

▪ आपातकाल के दिनों में बड़े पैमाने पर जबरन नसबंदी भी की गई। जिन लोगों ने ऐसी चीजें कीं, वे आज संविधान की प्रति लेकर घूम रहे हैं। उन्होंने अभी तक माफी नहीं मांगी है... वे माफी मांगें : दत्तात्रेय होसबाले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने बृहस्पतिवार को मांग की कि कांग्रेस को 50 साल पहले इंदिरा गांधी सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल के लिए माफी मांगनी चाहिए।

होसबाले ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि क्या दो शब्दों – समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष – को संविधान में बरकरार रखा जाए, जिन्हें आपातकाल के दौरान कांग्रेस सरकार द्वारा संविधान की प्रस्तावना में जोड़ा गया था।

पच्चीस जून 1975 को घोषित आपातकाल के दिनों को याद करते हुए होसबाले ने कहा कि उस दौरान हजारों लोगों को जेल में डाल दिया गया और उन पर अत्याचार किया गया, वहीं न्यायपालिका और मीडिया की स्वतंत्रता पर भी अंकुश लगाया गया।

आरएसएस नेता ने कहा कि आपातकाल के दिनों में बड़े पैमाने पर जबरन नसबंदी भी की गई। उन्होंने कहा, ''जिन लोगों ने ऐसी चीजें कीं, वे आज संविधान की प्रति लेकर घूम रहे हैं। उन्होंने अभी तक माफी नहीं मांगी है... वे माफी मांगें।''

कांग्रेस पर हमला करते हुए होसबाले ने कहा, ''आपके पूर्वजों ने ऐसा किया... आपको इसके लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।''

ढाका में मंदिर को हुए नुकसान पर भारत ने कहा

बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा करना अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने ढाका में दुर्गा मंदिर को कथित तौर पर गिराए जाने की घटना की बृहस्पतिवार को निंदा करते हुए कहा कि हिंदुओं के साथ–साथ धार्मिक संस्थानों की रक्षा करना बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह भी कहा कि भारत बांग्लादेश के साथ सभी मामलों पर ऐसे माहौल में बातचीत करने के लिए तैयार है जो पारस्परिक रूप से लाभकारी वार्ता के लिए अनुकूल हो। उनकी यह टिप्पणी अगले साल बांग्लादेश के साथ गंगा जल संधि के संभावित नवीनीकरण को लेकर पूछे गए सवाल पर आई।

जायसवाल ने मंदिर के कथित विध्वंस के लिए बांग्लादेशी अधिकारियों की आलोचना की। उन्होंने कहा, ''हमें पता चला है कि चरमपंथी ढाका के खिलखेत में दुर्गा मंदिर को ध्वस्त करने की मांग कर रहे थे।'' उन्होंने कहा, ''अंतरिम सरकार ने मंदिर को सुरक्षा प्रदान करने के बजाय इस घटना को अवैध भूमि उपयोग के रूप में पेश किया...और उन्होंने आज मंदिर को गिराने की अनुमति दी।'' उन्होंने कहा, ''इससे मूर्ति को स्थानांतरित करने से पहले ही नुकसान पहुंचा। हम इस बात से निराश हैं कि बांग्लादेश में ऐसी घटनाएं बार–बार हो रही हैं।''

जायसवाल ने इस बात पर जोर दिया कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है कि वह ''हिंदुओं, उनकी संपत्तियों और धार्मिक संस्थानों की रक्षा करे।''

सीमा के जरिए बांग्लादेशी निर्यात पर अंकुश लगाने के भारत के निर्णय के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि ये उपाय ढाका की निष्पक्षता, समान व्यवहार और पारस्परिकता की अपनी खोज पर आधारित हैं। उन्होंने कहा, ''हम लंबे समय से बांग्लादेशी पक्ष के साथ लंबित मूल मुद्दों के समाधान का इंतजार कर रहे हैं। भारत द्वारा इन मुद्दों को पहले भी कई बैठकों में उठाया गया है, जिनमें वाणिज्य सचिव स्तर की वार्ता भी शामिल है।''

ऑपरेशन सिंधु

इज़रायल, ईरान से 4244 भारतीय सकुशल स्वदेश पहुंचे

नई दिल्ली/भाषा। ऑपरेशन सिंधु के तहत इज़रायल और ईरान से 4244 भारतीयों को सुरक्षित एवं सकुशल स्वदेश लाया जा चुका है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में कहा कि ऑपरेशन सिंधु के तहत हमने अब तक ईरान से 3426 भारतीयों, 11 ओसीआई कार्ड धारकों, 9 नेपाली नागरिकों, 4 श्रीलंकाई नागरिकों और एक भारतीय नागरिक के 1 ईरानी पति को निकाला है। इस उद्देश्य के लिए कुल 14 विशेष उड़ानें (मशहद, येरेवन, अशगाबात से) आयोजित की गईं। जायसवाल ने कहा कि हमें श्रीलंका और नेपाल की सरकारों से भी अनुरोध मिला कि वे अपने नागरिकों को निकालने में मदद करें। उन्होंने कहा कि ईरान से निकाले गए भारतीयों में ज्यादातर छात्र, श्रमिक और तीर्थयात्री शामिल हैं।

भारत ने एससीओ में आतंकवाद पर संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इंकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ चीन और पाकिस्तान संयुक्त वक्तव्य में जम्मू-कश्मीर में पहलगाम आतंकवादी हमले का उल्लेख नहीं करना चाहते थे

▪ भारत ने इस पर कड़ी आपत्ति जतायी और वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया।

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में चीन और पाकिस्तान के गठजोड़ के नापाक इरादों को नाकाम करते हुए सदस्य देशों के आतंकवाद पर संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया।

एससीओ के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की दो दिन की बैठक चीन के किंगदाओ में हो रही है। चीन की अध्यक्षता में हो रही इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

सूत्रों ने गुरूवार को बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद पर सदस्य देशों के संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि चीन और पाकिस्तान संयुक्त वक्तव्य में जम्मू– कश्मीर में पहलगाम आतंकवादी हमले का उल्लेख नहीं करना चाहते थे और इसके बजाय पाकिस्तान में जाफर ट्रेन हाइजैक के मामले को वक्तव्य में शामिल करने पर आमादा थे।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद अमरनाथ यात्रा पंजीकरण में 10% की गिरावटः सिन्हा

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बृहस्पतिवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के चलते इस वर्ष अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों के पंजीकरण में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है।

सिन्हा ने यहां राजभवन में संवाददाताओं से कहा, 22 अप्रैल की घटना से पहले तीर्थयात्रियों का पंजीकरण अच्छी गति से चल रहा था, लेकिन उसके बाद पंजीकरण में कमी आई। पिछले साल की तुलना में पंजीकरण में 10.19 प्रतिशत की गिरावट आई है। उपराज्यपाल ने कहा कि पहलगाम क्षेत्र के बैसरन में हुए हमले से पहले लगभग 2.36 लाख तीर्थयात्रियों ने यात्रा के लिए पंजीकरण कराया था। हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से ज्यादातर सैलानी थे। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर प्रशासन और सुरक्षा बलों द्वारा उठाए गए कदमों के कारण तीर्थयात्रियों में विश्वास लौट रहा है, जिसके चलते पंजीकरण में फिर से तेजी आई है। सिन्हा ने कहा कि श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) ने 22 अप्रैल से पहले यात्रा के लिए पंजीकरण कराने वाले तीर्थयात्रियों से पुनः सत्यापन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, अब तक 85000 तीर्थयात्रियों ने अपने पंजीकरण की पुनः पुष्टि की है। हमें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में पंजीकरण में तेजी आएगी। यह पूछे जाने पर कि क्या आतंकवादी हमले से इस वर्ष अमरनाथ यात्रा प्रभावित हुई है, सिन्हा ने कहा कि इससे समूचा जम्मू-कश्मीर, विशेषकर घाटी प्रभावित हुई है।

जम्मू में अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा के लिए सीएपीएफ की 180 कंपनी तैनात : आईजीपी

जम्मू/भाषा। जम्मू में वार्षिक अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा के लिए इस बार केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की कुल 180 कंपनी तैनात की गई हैं, जो पिछले वर्षों की तुलना में 30 अधिक हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। जम्मू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) भीम सेन टूटी ने प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित तीर्थयात्रा का आश्वासन दिया, लेकिन उनसे अपील की कि यदि वे जम्मू से यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो वे स्वतंत्र रूप से यात्रा करने के बजाय आधिकारिक जत्थे में यात्रा करें। दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचे पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर की 38 दिवसीय यात्रा दो मार्गों – अनंतनाग जिले में 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम मार्ग और गंदेरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबे लेकिन अधिक खड़ी चढ़ाई वाले बालटाल मार्ग – से तीन जुलाई को शुरू होगी।

संजय राउत की मानहानि शिकायत को लेकर

महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

मुंबई/भाषा। मुंबई की एक अदालत ने शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत द्वारा 2023 में महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे के खिलाफ दायर की गई मानहानि की एक शिकायत के सिलसिले में भाजपा नेता के खिलाफ बृहस्पतिवार को एक गैर जमानती वारंट जारी किया।

अदालत ने पिछले महीने मामले की सुनवाई में उपस्थित न होने पर राणे के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था। दो जून को सुनवाई के दौरान भाजपा नेता ने पेशी से स्थायी छूट का अनुरोध करते हुए एक अर्जी दायर की थी। हालांकि, बृहस्पतिवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (मजगांव अदालत) ए. ए. कुलकर्णी ने उन्हें स्थायी छूट देने से इनकार कर दिया और गैर-जमानती वारंट जारी किया। गैर जमानती वारंट पर रिपोर्ट के लिए मामले को 18 जुलाई के लिए स्थगित कर दिया गया है। इससे पहले भी, अदालत ने मामले की सुनवाई में उपस्थित न होने पर राज्य के कोंकण क्षेत्र से भाजपा विधायक राणे के खिलाफ कई वारंट जारी किये थे। मई 2023 में, पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के बेटे नितेश राणे ने राउत को कथित तौर पर एक ''सांप'' कहा था और दावा किया था कि वह उस साल जून तक ठाकरे को छोड़कर (अविभाजित) राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शामिल हो जाएंगे।

लोकतंत्र सेनानियों के परिजनों को सभी शासकीय योजनाओं में दी जाएगी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को लोकतंत्र सेनानियों के परिजनों को सभी शासकीय योजनाओं में प्राथमिकता दिए जाने की घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार उनके कल्याण में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

यादव ने यहां अपने आवास पर लोकतंत्र सेनानियों के प्रादेशिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ''प्रदेशवासियों के जीवन में उजाला लाने के लिए सरकार नित नई योजनाएं लेकर आ रही हैं। पात्र होने पर लोकतंत्र सेनानियों के परिजनों को भी इन सभी शासकीय योजनाओं में प्राथमिकता के अनुरूप लाभ दिया जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार लोकतंत्र सेनानियों और उनके परिजनों के कल्याण के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।''

मुख्यमंत्री ने कहा है कि लोकतंत्र भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न अंग है और यह केवल एक शासन प्रणाली नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली की आत्मा और पहचान है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र भारतीय जनमानस में पुराकाल से रचा-बसा है और इसकी जड़ें हमारी परंपराओं में गहराई तक फैली हुई हैं।

यादव ने इस अवसर पर लोकतंत्र की मजबूती में लोकतंत्र सेनानियों के अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए कहा कि हमारा वर्तमान लोकतंत्र उनके अनथक संघर्ष और बलिदान का ही परिणाम है। उन्होंने कहा, ''आज हम एक मजबूत और जवाबदेह लोकतांत्रिक व्यवस्था में जीवन व्यतीत कर रहे हैं, इसके मूल में लोकतंत्र सेनानी ही हैं।''

आपातकाल के खिलाफ संघर्ष करने वालों को लोकतंत्र सेनानी कहा जाता है।

लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वाली ताकतों से मिलकर लड़ने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि अब 70 साल से अधिक आयु के सभी लोकतंत्र सेनानियों को आयुष्मान कार्ड के माध्यम से निःशुल्क इलाज और आवश्यकता पड़ने पर पीएम एयर एम्बुलेंस की सुविधा भी दी जाएगी। बाद में मुख्यमंत्री ने एक मीडिया समूह की ओर से आयोजित किए गए कार्यक्रम में भी आपातकाल का जिक्र कर कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा, ''आपातकाल हमारे लोकतंत्र पर एक गहरा आघात था। वो संविधान और लोकतंत्र की हत्या थी। वो देश के लोकतंत्र का एक ऐसा काला अध्याय था, जिसे देश कभी नहीं भूल पाएगा।''

नायडू ने आंध्र के अंतरिक्ष क्षेत्र में 25,000 करोड़ रुपए के निवेश का लक्ष्य रखा

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बृहस्पतिवार को अधिकारियों को राज्य की 'अंतरिक्ष नीति 4.0' को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया। इसका उद्देश्य 25,000 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति में 5,000 प्रत्यक्ष और लगभग 30,000 अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री के हवाले से आधिकारिक बयान में कहा गया कि आंध्र प्रदेश को भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में अग्रणी स्थान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नायडू ने अधिकारियों को 'आंध्र प्रदेश अंतरिक्ष नीति 4.0' को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया, जिसका उद्देश्य 25,000 करोड़ रुपए का निवेश जुटाना है।

उन्होंने गुंटूर जिले के उंडावल्ली स्थित अपने कैंप कार्यालय में समीक्षा बैठक के दौरान लेपाक्षी और तिरुपति में 'अंतरिक्ष शहरों' के विकास को मंजूरी दी और 2025 से 2035 तक इस क्षेत्र के लिए रणनीतिक लक्ष्य भी निर्धारित किए।

देश में 'जीनोम एडिटिंग' से बढ़ाएंगे सोयाबीन की पैदावार : केंद्रीय कृषि मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार 'जीनोम एडिटिंग' की मदद से सोयाबीन की उन्नत किस्में विकसित करके इस तिलहन फसल की पैदावार बढ़ाएगी। उन्होंने देश में सोयाबीन की उत्पादकता 'स्थिर' हो जाने का उल्लेख करते हुए यह बात कही।

चौहान ने इंदौर के राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान में इस तिलहन फसल की उत्पादकता बढ़ाने पर केंद्रित कार्यक्रम में हितधारकों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''हमारे देश में सोयाबीन की उत्पादकता स्थिर हो गई है, जबकि दुनिया के कई देशों में इस तिलहन फसल की उत्पादकता हमसे ज्यादा है।''

कृषि मंत्री ने कहा, ''हम ब्राजील जैसे देशों की तरह सोयाबीन के जीन संवर्धित (जीएम) बीजों का इस्तेमाल नहीं करते, लेकिन हम जीनोम एडिटिंग जैसी पद्धति का प्रयोग करके ज्यादा पैदावार देने वाली उन्नत किस्में विकसित करेंगे।'' फसलों में 'जीनोम एडिटिंग' ऐसी तकनीक है जिसका उपयोग पौधों के जीनोम में विशिष्ट डीएनए अनुक्रमों को बदलने के लिए किया जाता है। इससे फसलों में वांछित गुण डाले जा सकते हैं।

चौहान ने कहा कि देश में सोयाबीन की उत्पादकता बढ़ाने के साथ ही इसकी खेती की लागत घटाने की भी जरूरत है। उन्होंने कहा कि सोयाबीन उत्पादक किसानों की जरूरतों के मुताबिक अनुसंधान परियोजनाओं को आकार दिया जाएगा और खेती की तकनीकों में बदलाव किया जाएगा। चौहान ने कहा, ''सोयाबीन प्रोटीन का बड़ा स्त्रोत है। हम देश में सोयाबीन के गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण के साथ ही सोया खली के निर्यात को बढ़ावा देंगे।''

देश में पाम तेल के बड़े पैमाने पर आयात को नियंत्रित करने के उपायों के बारे में पूछे जाने पर कृषि मंत्री ने कहा,''सरकार इस विषय में समय-समय पर संतुलन बनाती है। हमें अपनी घरेलू आवश्यकताएं पूरी करने के लिए पिछले कई वर्षों से खाद्य तेलों का आयात करना पड़ रहा है। हालांकि, हम अपनी आयात-निर्यात नीति के जरिये सुनिश्चित कर रहे हैं कि घरेलू किसानों और उपभोक्ताओं, दोनों के हित सुरक्षित रहें।'' मौजूदा समय में भारत अपनी खाद्य तेल जरूरतों का 60 प्रतिशत से अधिक आयात करता है। सस्ते खाद्य तेलों के आयात से घरेलू किसानों को सोयाबीन के कम भाव मिलने पर कृषि मंत्री ने कहा कि इस तिलहन फसल की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सुनिश्चित की जाएगी।

केंद्र सरकार ने खरीफ विपणन सत्र 2025-26 के लिए सोयाबीन का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 5,328 रुपए प्रति क्विंटल तय किया है। यह पिछले विपणन सत्र के 4,892 रुपए प्रति क्विंटल के सोयाबीन के एमएसपी के मुकाबले 436 रुपए प्रति क्विंटल अधिक है।

'हमारी वजह से आप लोगों के पास कपड़े, जूते और मोबाइल हैं' : भाजपा विधायक के बयान पर विवाद

छत्रपति संभाजी नगर/ भाषा। महाराष्ट्र के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक बबनराव लोणीकर ने एक सभा में विवादित टिप्पणी करते हुए कहा कि उनकी पार्टी और सरकार की आलोचना करने वालों को पता होना चाहिए कि उन्हें कपड़े, जूते, मोबाइल, योजनाओं का आर्थिक लाभ तथा बुवाई के लिए पैसे हमारी वजह से मिल रहे हैं।

मध्य महाराष्ट्र के जालना जिले में अपने विधानसभा क्षेत्र परतुर में 'हर घर सोलर' योजना से संबंधित एक समारोह में राज्य के पूर्व मंत्री लोणीकर ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों का जिक्र किया और अपनी पार्टी के आलोचकों पर निशाना साधा।

लोणीकर की विवादास्पद टिप्पणी का एक वीडियो बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर आने के बाद विपक्ष ने इसकी कड़ी आलोचना की। भाजपा से ताल्लुक रखने वाले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी इन टिप्पणियों को गलत बताया। लोणीकर को सभा में कहते सुना जा सकता है, ''कुछ लोग और खासतौर पर युवा सोशल मीडिया पर हमारी और हमारी पार्टी की आलोचना करते हैं।

हिमाचल प्रदेश में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हुई, लापता सात की तलाश जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/धर्मशाला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में बुधवार को अचानक आई बाढ़ से प्रभावित एक जलविद्युत परियोजना स्थल से दो और शव बरामद होने के साथ ही मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कांगड़ा की अतिरिक्त उप मजिस्ट्रेट शिल्पा बेक्टा ने बताया कि बुधवार को दो शव बरामद किए गए, जबकि बृहस्पतिवार को दो और शव बरामद हुए।

कांगड़ा की पुलिस अधीक्षक (एसपी) शालिनी अग्निहोत्री ने बृहस्पतिवार को बताया कि मृतकों की पहचान जम्मू-कश्मीर निवासी चैन सिंह, चंबा निवासी आदित्य ठाकुर और उत्तर प्रदेश निवासी प्रदीप वर्मा और चंदन के रूप में हुई है। कांगड़ा और कुल्लू जिलों में बुधवार को बादल फटने से आई बाढ़ के बाद से लापता सात लोगों की तलाश के लिए तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है। परियोजना स्थल के निकट जंगल से बचाए गए चंबा जिले के लवली ने बताया कि शिविर में 13 लोग थे, जिनमें से पांच लोग पहाड़ियों की ओर भाग गए, जबकि शेष लोग तेज बहाव में बह गए। एक मजदूर दया किशन ने कहा, हमने बाढ़ को आते देखा और सुरक्षित स्थान पर भागने से पहले नीचे के लोगों को सचेत करने के लिए चिल्लाए। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के कमांडेंट बलजिंदर सिंह ने कहा कि वे उन लोगों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं जिनके बाढ़ के दौरान परियोजना स्थल से बह जाने की आशंका है।

नीट परीक्षा में धांधली के मामले में एनटीए अधिकारियों की भी जांच होः कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के अंकों में कथित तौर पर हेरफेर करने के मामले में दो आरोपियों को जमानत मिलने के बाद बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के अधिकारियों की भूमिका भी जांच होनी चाहिए क्योंकि यह एजेंसी अब 'नेशनल करप्शन एजेंसी' बन चुकी है।

पार्टी नेता और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के प्रभारी कन्हैया कुमार ने यह भी कहा कि जब केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का कहना है कि इस मामले में एनटीए का कोई अधिकारी शामिल नहीं है तो फिर भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत कार्रवाई क्यों की गई? कांग्रेस की तरफ से उठाए गए सवालों पर फिलहाल सीबीआई या एनटीए की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। नीट के अंकों में कथित तौर पर हेराफेर करने के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार किये गए दो व्यक्तियों को मुंबई की एक अदालत ने बीते 23 जून को जमानत दे दी। संदीप शाह और सलीम पटेल को 10 जून को सीबीआई ने नीट-यूजी(राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक) 2025 के अभ्यर्थियों और उनके परिवारों को धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया था। एजेंसी के मुताबिक, वे दावा करते थे कि वे अंकों में हेरफेर कर सकते हैं और इसके लिए प्रति उम्मीदवार 90 लाख रुपए वसूल रहे थे। कन्हैया कुमार ने कहा, ''एक बार फिर नीट परीक्षा की पारदर्शिता और उसे कराने वाली एजेंसी एनटीए पर सवाल खड़े हुए हैं। ये सवाल हम नहीं उठा रहे। सवाल सीबीआई की प्राथमिकी से उठे हैं। सीबीआई ने महाराष्ट्र में प्राथमिकी दर्ज की, जिसमें दो गिरफ्तारियां हुईं हैं। ये गिरफ्तारियां भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत हुईं।'' उनका कहना था, ''सीबीआई कह रही है कि इस मामले में एनटीए का कोई अधिकारी शामिल नहीं है। ऐसे में सवाल है कि फिर भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत कार्रवाई क्यों की गई?''

गुजरात में 'आप' विधायक ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दिया

अहमदाबाद/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) ने अपने विधायक उमेश मकवाना को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए बृहस्पतिवार को दल से निलंबित कर दिया। इससे कुछ ही घंटे पहले उन्होंने विधायक पद को छोड़कर पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने दावा किया था कि 'आप' पिछड़े वर्गों के मुद्दे उठाने में नाकाम रही है। विधायक का यह कदम राज्य में उपचुनाव में 'आप' द्वारा विसावदर सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखने के महज तीन दिन बाद आया है।

बोटाद सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले मकवाना ने गांधीनगर में कहा कि उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और राज्य विधानसभा में सचेतक के पद से इस्तीफा दे दिया है। कोली (अन्य पिछड़ा वर्ग) समुदाय से ताल्लुक रखने वाले विधायक ने कहा कि वह एक साधारण 'आप' कार्यकर्ता के रूप में काम करना जारी रखेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या वह विधायक पद से इस्तीफा देने का मन बना रहे हैं, मकवाना ने कहा कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से परामर्श करने के बाद निर्णय लेंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें कोई परेशानी न हो। उनके इस कदम के तुरंत बाद, 'आप' की गुजरात इकाई के अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने एक बयान जारी कर मकवाना के निलंबन की घोषणा की। गढ़वी ने बयान में कहा, उमेश मकवाना को पार्टी विरोधी और गुजरात विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने के कारण 'आप' से पांच साल के लिए निलंबित कर दिया गया है।

हिंदी को नजरअंदाज नहीं कर सकते, लेकिन इसे पहली कक्षा से अनिवार्य नहीं बनायेः शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) प्रमुख शरद पवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि महाराष्ट्र में हिंदी को कक्षा एक से अनिवार्य नहीं बनाया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि नई भाषा पढ़ानी है तो इसकी शुरुआत कक्षा पांच के बाद की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा, हिंदी को प्राथमिक शिक्षा में अनिवार्य नहीं बनाना चाहिए। कक्षा पांच के बाद हिंदी (की पढ़ाई) शुरू करने पर कोई आपत्ति नहीं है। देश का एक बड़ा वर्ग हिंदी बोलता है और ऐसे में पूरी तरह से इस भाषा को नजरअंदाज़ करने की कोई वजह नहीं है।

हालांकि, पवार ने कहा कि प्राथमिक स्तर पर युवा छात्रों पर अतिरिक्त भाषाओं का बोझ डालना उचित नहीं है।

पवार (80) की यह टिप्पणी महाराष्ट्र में भाषा विवाद के बीच आई है, जो पिछले सप्ताह राज्य सरकार द्वारा एक संशोधित आदेश जारी करने के बाद शुरू हुआ था, जिसमें कहा गया था कि हिंदी को आम तौर पर कक्षा एक से पांच तक मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में छात्रों को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाएगा।

पवार ने प्रारंभिक शिक्षा में मातृभाषा के महत्व पर जोर दिया और कहा कि माता-पिता को यह निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए कि उनके बच्चों को कक्षा पांच के बाद हिंदी सीखने की आवश्यकता है या नहीं। उन्होंने कहा कि यह विश्लेषण करना भी महत्वपूर्ण है कि प्रारंभिक स्तर पर छात्र भाषा का कितना बोझ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा, अगर हम छात्रों पर दूसरी भाषा का बोझ डालेंगे और इस प्रक्रिया में मातृभाषा को दरकिनार कर दिया जाएगा, तो यह उचित नहीं है। राज्य सरकार को कक्षा एक से हिंदी अनिवार्य करने की अपनी जिद छोड़ देनी चाहिए।

पवार ने कहा कि वह इस मुद्दे पर शिवसेना (उबाठा) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई तथा महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे के रुख का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर मराठी भाषी लोग इस मुद्दे पर एकजुट होते हैं तो यह अच्छी बात है। ठाकरे भाइयों ने भाजपा नीत राज्य सरकार पर भाषा के आधार पर लोगों में विभाजन पैदा करने का आरोप लगाया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

नाम परिवर्तन
मैं सुषमा के.एस., धर्मपत्नी नं.14445426द हवलदार (जीएनआर) नवीन कुमार, निवासी नं.18, चौथा तल, 9वां क्रॉस रोड, चौथा मुख्य मार्ग, सम्पंगीरामनगर, बंगलूरु 560 027 ने अपना नाम सुषमा नवीन शेट्टी से बदलकर सुषमा के.एस. कर लिया है। मैंने यह घोषणा शपथ पत्र नम्बर No.IN.IN-K46577140814746X दिनांक 07/02/2025 द्वारा पब्लिक नोटरी पीके नलीनाक्षी के समक्ष सत्यापित की है।

दिल्ली के मंत्री ने रैन बसेरों का निरीक्षण किया, अनियमितताएं पाईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने सराय काले खां पार्किंग स्थल पर स्थित पांच रैन बसेरों का बृहस्पतिवार को औचक निरीक्षण किया और उनके कामकाज में गंभीर खामियां पाईं।

मंत्री ने कहा कि एनजीओ और आम आदमी पार्टी (आप) की पिछली सरकार के बीच मिलीभगत के कारण स्थिति बिगड़ी है।

लंबे समय से मिल रहीं शिकायतों का हवाला देते हुए सूद ने कहा कि रैन बसेरे कुप्रबंधन और कथित भ्रष्टाचार का केंद्र बन गए हैं और चेतावनी दी कि सरकारी अधिकारियों, गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) और अन्य संबंधित लोगों सहित जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सूद ने कहा कि रैन बसेरों में खराब सुविधाओं, कर्मचारियों की कमी और अनियमितताओं के बारे में कई शिकायतें प्राप्त हो रही थीं और ऐसा प्रतीत होता है कि पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान गैर सरकारी संगठनों की मिलीभगत से बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ था।

मंत्री ने दावा किया कि रैन बसेरों पर एक भी उपस्थिति रजिस्टर नहीं पाया गया और आरोप लगाया कि आश्रय स्थलों के प्रबंधन कर्मचारियों द्वारा गरीब मजदूरों से 5,000 से लेकर 6,000 रुपए तक की रकम देकर सफाईकर्मी के रूप में काम कराया जा रहा है और सरकार को उनकी सेवाओं के लिए गलत बिल दिया जा रहा है।

बेघर व्यक्तियों के शोषण को शर्मनाक और अस्वीकार्य बताते हुए, सूद ने दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआईबी) और संबंधित गैर सरकारी संगठनों को तत्काल इस मुद्दे का समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, आश्रय स्थलों में लापरवाही और भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मामले की सतर्कता विभाग द्वारा जांच की जाएगी और जरूरत पड़ने पर सीबीआई जांच की मांग की जाएगी।

इन सुविधाओं के ध्वस्त होने की अफवाहों को खारिज करते हुए सूद ने आश्वासन दिया कि किसी को भी बेदखल या बेघर नहीं किया जाएगा।

मंत्री ने कहा, पुलिस को ऐसी अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

परियोजना

टुमकुरु जिले में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो जल संसाधन मंत्री भी हैं, ने गुरुवार को 50 करोड़ रुपये की लागत वाली मथडा हल्ला लिफ्ट सिंचाई परियोजना की आधारशिला रखी। जो गुब्बी और शिरा तालुकों के 42 गांवों को पीने का पानी उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर कर्नाटक सरकार के दिल्ली में विशेष प्रतिनिधि टी.बी. जयचंद्र, विधायक गुब्बी श्रीनिवास, डीसीएम के तकनीकी सलाहकार जयप्रकाश, विश्वेश्वरैया जल निगम के एमडी सन्नाचित्तैया और अन्य लोग मौजूद थे।

कर्नाटक की कांग्रेस इकाई में सत्ता के कई केंद्र, सितंबर के बाद बदलेगा राजनीतिक घटनाक्रम : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस इकाई में सत्ता के कई केंद्र हैं। इसके साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि सितंबर के बाद राजनीतिक घटनाक्रम बदलेगा। इस वर्ष के अंत तक राज्य सरकार में फेरबदल और नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच सहकारिता मंत्री की इन टिप्पणियों को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राजन्ना ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, सितंबर खत्म होने दीजिए...राज्य की राजनीति का घटनाक्रम बदलेगा। यह (सितंबर के बाद) होगा। यह पूछे जाने पर कि कुछ विधायकों ने

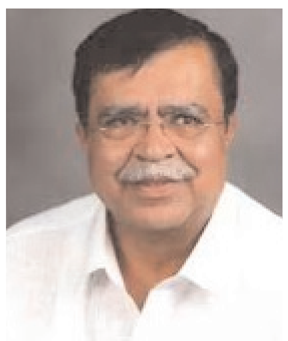

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के इस कार्यकाल को 2013-18 (मुख्यमंत्री के रूप में उनका पहला कार्यकाल) जैसा नहीं पाया और क्या मुख्यमंत्री पर दबाव है, मंत्री ने कहा कि अब कांग्रेस में सत्ता के कई केंद्र हैं। उन्होंने कहा, 2013-18 के दौरान सत्ता का केवल एक केंद्र था। अब एक, दो या तीन... कई हैं।

सिद्दरामय्या के करीबी माने जाने वाले राजन्ना ने कहा,आप जितना चाहें, उतना कह सकते हैं। जब सत्ता के कई केंद्र होंगे, तो हलचल अधिक होगी और उस पृष्ठभूमि में, उन्हें (सिद्दरामय्या को) स्थिति के अनुसार सरकार और पार्टी का प्रबंधन भी करना होगा।

उन्होंने कहा, ''आप कह सकते हैं कि 2013-18 के सिद्दरामय्या नहीं दिखेंगे और कमोबेश लोगों की भी यही राय हैं...।'' इस बीच, इस वर्ष के अंत तक राज्य की राजनीति या सरकार के स्तर पर किसी बड़े बदलाव के बारे में पूछे जाने पर लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा कि कुछ बदलाव हो सकते हैं, लेकिन बहुत बड़ा नहीं।

उन्होंने कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता....मुझे कोई बड़ा बदलाव नहीं दिख रहा, लेकिन बदलाव हो सकते हैं। सतीश ने मंत्रिमंडल में फेरबदल के बारे में पूछे जाने पर कहा, कुछ बदलाव हो सकते हैं, बहुत बड़ा बदलाव नहीं। राजन्ना ने दिन में एक बार फिर पत्रकारों को संबोधित किया। सितंबर के बाद किस तरह के राजनीतिक घटनाक्रम की उम्मीद की जा सकती है, इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, क्या आपने अगस्त और मई की क्रांति के बारे में नहीं सुना है? इसी तरह यह भी एक क्रांति है....अगर हम अभी से ब्यौरा बता देंगे, तो आपकी रुचि खत्म हो जाएगी।

यह पूछे जाने पर कि क्या बदलाव पार्टी या सरकार के स्तर पर होगा, राजन्ना ने कहा, आप जिस तरह से चाहें, इसका अनुमान लगा सकते हैं। मंत्री ने कहा कि राजनीति स्थिर नहीं बल्कि बहता पानी है और स्थिति व घटनाओं के आधार पर घटनाक्रम बदलता है।

भारतीय वायु सेना ने स्वदेशी रडार सिम्युलेटर भारतीय तटरक्षक बल को सौंपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। संयुक्त कौशल की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने दमन में आयोजित एक औपचारिक समारोह में भारतीय तटरक्षक बल को स्वदेशी रूप से विकसित रडार सिम्युलेटर 'आरएडीएसआईएम' सौंपा है। सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एसडीआई) वायु सेना, बेंगलूरु द्वारा विकसित, आईएएफ की प्रमुख सॉफ्टवेयर अनुसंधान और विकास इकाई, आरएडीएसआईएम एक उच्च-निष्ठा सिमुलेशन प्रणाली है जिसे यथार्थवादी रडार और वायु यातायात नियंत्रण (एटीसी) वातावरण की नकल करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका उपयोग रडार और एटीसी नियंत्रकों के उन्नत प्रशिक्षण के लिए किया जाएगा, जिससे जटिल हवाई क्षेत्र और समुद्री परिदृश्यों में परिचालन तत्परता बढ़ेगी।

आरएडीएसआईएम को एयर वाइस मार्शल आर गुरुहरि, कमांडेंट, एसडीआई एयर फोर्स, बेंगलूरु और ग्रुप कैप्टन सतविंदर सिंह, चीफ सॉफ्टवेयर इंजीनियर द्वारा सौंपा गया। सिम्युलेटर को औपचारिक रूप से भारतीय तटरक्षक बल के उप महानिदेशक (विमानन) महानिरीक्षक रोहित वोहरा, टीएम द्वारा प्राप्त किया गया। आरएडीएसआईएम विभिन्न परिचालन स्थितियों के तहत रडार व्यवहार और -टीसी संचालन के सिमुलेशन के माध्यम से गहन प्रशिक्षण को सक्षम बनाता है। भारतीय तटरक्षक बल के साथ इसकी तैनाती उनके नियंत्रक प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे को काफी मजबूत करेगी और समुद्री क्षेत्र में मिशन-महत्वपूर्ण संचालन का समर्थन करेगी। यह पहल आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप स्वदेशी तकनीकी समाधान विकसित करने के लिए भारतीय वायु सेना की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, और सशस्त्र बलों और तटरक्षक बल के बीच अंतर-संचालन और संयुक्तता को और मजबूत करती है।

एयर वाइस मार्शल आर गुरुहरि ने कहा कि आरएडीएसआईएम भारतीय वायुसेना की तकनीकी उत्कृष्टता और एसडीआई की परिचालन संबंधी प्रासंगिक, स्वदेशी समाधान देने की क्षमता का प्रमाण है। भारतीय तटरक्षक बल द्वारा इसे अपनाना एक आत्मनिर्भर रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में अंतर-सेवा सहयोग की ताकत को उजागर करता है। एसडीआई जैसे संस्थानों के माध्यम से, भारतीय वायु सेना भारत की रक्षा सेवाओं के लिए उन्नत, मिशन-महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर प्रणालियों के विकास में अग्रणी बनी हुई है, जिससे वास्तविक तालमेल और आत्मनिर्भर सैन्य क्षमता को बढ़ावा मिल रहा है।

उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक पुलिस की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नईदिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने हत्या के एक मामले में आरोपी की हिरासत से जुड़े आदेश को कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा खारिज किये जाने के खिलाफ राज्य पुलिस की एक याचिका पर सुनवाई के लिए बृहस्पतिवार को सहमत जताई। उच्च न्यायालय ने यह कहते हुए हिरासत से जुड़े अधीनस्थ अदालत के आदेश को खारिज कर दिया था कि आरोपी को गिरफ्तारी का आधार नहीं बताया गया था। न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि इस मामले पर विचार करने की आवश्यकता है। पीठ ने कहा, ''इस मामले पर विचार करने की आवश्यकता है। विशेष अनुमति याचिका और स्थगन अर्जी पर नोटिस जारी करें।'' अपने 17 अप्रैल के आदेश में, उच्च न्यायालय ने 17 फरवरी 2023 को पारित अधीनस्थ अदालत के रिमांड आदेश को रद्द कर दिया और कुछ शर्तों के तहत व्यक्ति को हिरासत से रिहा करने का निर्देश दिया था। शीर्ष अदालत ने हासन जिले में हुई हत्या के एक मामले में 17 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किये गए व्यक्ति को याचिका पर जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया। पुलिस की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा शीर्ष अदालत में पेश हुए।

पीठ ने कहा कि गिरफ्तारी के आधार के मुद्दे पर एक अलग याचिका में उच्चतम न्यायालय ने 22 अप्रैल को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। पीठ ने कहा, ''इस फैसले (अलग याचिका पर) का नतीजा इस मामले पर अंतिम फैसला सुनाने में अहम भूमिका निभाएगा। मामले को 18 जुलाई को विचार करने के लिए रखा जाए।'' लूथरा ने कहा कि उच्च न्यायालय में बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं, जहां यह संभावना है कि वर्तमान मामले में शीर्ष अदालत के समक्ष चुनौती दिये गए आदेश को मिसाल के तौर पर उद्धृत किया जाएगा। पीठ ने लूथरा से कहा, ''आप इस आदेश की प्रति उच्च न्यायालय को दिखाएं। हम इसका इंतजार कर रहे हैं, उन्हें भी इंतजार करना चाहिए।'' उच्च न्यायालय के आदेश में कहा गया था कि याचिकाकर्ता को गिरफ्तारी के यथाशीघ्र बाद इसके आधार के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई और गिरफ्तारी के बाद से सुनाये गए निर्णयों में उल्लेखित आधार के बारे में लिखित रूप अवगत कराना तो दूर की बात है। शीर्ष अदालत उस अलग याचिका पर विचार करेगी जिसपर फैसला 22 अप्रैल को सुरक्षित रख लिया गया था। न्यायालय यह विचार करेगा कि क्या प्रत्येक मामले में, यहां तक कि पूर्ववर्ती भारतीय दंड संहिता(आईपीसी) के तहत अपराध की श्रेणी में आने वाले कृत्य में, गिरफ्तारी से पहले या इसके बाद आधार बताना आवश्यक है। यह इस बात पर भी विचार करेगा कि क्या अपवादस्वरूप मामलों में भी, जहां कुछ अनिवार्यताओं के कारण गिरफ्तारी पूर्व या गिरफ्तारी के तुरंत बाद इसके आधार बताना संभव नहीं हो, तो क्या तत्कालीन दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 50 के प्रावधानों का अनुपालन न करने के आधार पर गिरफ्तारी को अमान्य माना जाएगा।

नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा के बीच विजयेंद्र को भाजपा कर्नाटक प्रमुख बने रहने का भरोसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर पदाधिकारियों की नयी नियुक्ति को लेकर चल रही तैयारियों के बीच कर्नाटक की भाजपा इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने बृहस्पतिवार को अपनी मौजूदा भूमिका में बने रहने का भरोसा जताया। अटकलें लगाई जा रही हैं कि कर्नाटक भाजपा इकाई में नेतृत्व में बदलाव देखने को मिल सकता है, क्योंकि पार्टी के भीतर आंतरिक असंतोष के संकेत मिल रहे हैं।

विजयेंद्र ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि उन्होंने राज्य प्रमुख के रूप में अपने डेढ़ साल के कार्यकाल के दौरान अपनी जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से पूरा किया है और उनके काम को पार्टी के नेता और कार्यकर्ता अच्छी तरह से जानते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह प्रदेश अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे, विजयेंद्र ने कहा, ''भाजपा एक राष्ट्रीय पार्टी है। सभी की राय मांगी गई है। मैंने पिछले डेढ़ साल में अपना काम सफलतापूर्वक किया है और मेरे नेता और साथी कार्यकर्ता इससे वाकिफ हैं।''

हाल ही में दिल्ली की उनकी यात्रा के बारे में पूछे जाने पर प्रदेश के शिकारीपुरा से भाजपा विधायक ने स्पष्ट किया कि यह एक निजी यात्रा थी। राष्ट्रीय राजधानी में, विपक्ष के नेता आर अशोक समेत अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं की मौजूदगी पर उन्होंने कहा कि अटकलों की कोई जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा, ''मैं दिल्ली गया था और कुछ अन्य वरिष्ठ नेता भी गए थे। वे अभी तक वापस नहीं आए हैं। लेकिन यह अटकलें लगाना कि कोई बड़ा घटनाक्रम चल रहा है, निराधार है। मैं वहां किसी से नहीं मिला; मेरा निजी काम हो चुका है।''

विपक्ष के नेता पद में बदलाव की खबरों के बारे में पूछे जाने पर विजयेंद्र ने अशोक का बचाव करते हुए कहा कि वे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्हें पार्टी विधायकों का विश्वास प्राप्त है। उन्होंने कहा, ''मीडिया द्वारा उनके हटाए जाने के बारे में अटकलें लगाना उचित नहीं है। इसमें कोई सच्चाई नहीं है।'' भाजपा के भीतर आंतरिक असंतोष पर विजयेंद्र ने कहा कि जो लोग बेहद असंतुष्ट थे और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल थे, उन्हें पहले ही निष्कासित किया जा चुका है।

वह विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल, एस टी सोमशेखर और ए शिवराम हेब्बार के छह साल के निलंबन का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ मतभेद बने हुए हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल में ऐसे मुद्दे स्वाभाविक हैं और उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी को चिंताओं को दूर करने का काम सौंपा गया है।

सीआईडी ने एमएलसी सूरज रेवन्ना के मामले में दाखिल की क्लोजर रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने जेडी (एस) के एमएलसी सूरज रेवन्ना के खिलाफ कथित जबरन अप्राकृतिक यौन संबंध मामले में एक क्लोजर रिपोर्ट पेश कर दी है। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। सूरज रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते और पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के भाई हैं, जो अश्लील वीडियो और यौन उत्पीड़न मामले में जेल में हैं। सीआईडी ने जेडी (एस) के एक पुरुष कार्यकर्ता द्वारा दर्ज कराए गए जबरन अप्राकृतिक यौन संबंध के मामले की जांच की और सबूतों की कमी के कारण विशेष अदालत में बी-रिपोर्ट (क्लोजर रिपोर्ट) पेश की है। सीआईडी सूत्रों ने बताया कि सबूतों की कमी के कारण जांचकर्ताओं ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है।

यह मामला शुरू में होलेनरसीपुरा ग्रामीण पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। इसे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 377 (अप्राकृतिक यौन संबंध), 342 (गलत तरीके से बंधक बनाना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने डीजी और आईजीपी तथा हासन

एसपी के पास भी शिकायत दर्ज कराई थी। सूरज रेवन्ना को 23 जून, 2024 को सीईएन पुलिस स्टेशन में गिरफ्तार किया गया और जेल भेज दिया गया। बाद में 22 जुलाई, 2024 को उन्हें बेंगलूरु सेंट्रल जेल से जमानत पर रिहा किया गया। इस मामले में प्रतिक्रिया देते हुए सूरज रेवन्ना ने कहा था कि यह उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश थी।

उन्होंने कहा, मेरे खिलाफ निराधार आरोप लगाए गए हैं और मैं इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करता हूं। इस मामले से कानूनी रूप से निपटा जाएगा और एक प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि वह सूरज रेवन्ना द्वारा आयोजित एक समारोह में उनसे मिला था। उनकी संगठनात्मक क्षमता से प्रभावित होकर सूरज ने कथित तौर पर अपना मोबाइल नंबर दिया और मैसेज भेजने शुरू किए। शिकायतकर्ता को सूरज रेवन्ना के फार्महाउस पर बुलाया गया, जहां कथित तौर पर उसका यौन शोषण किया गया। सूरज रेवन्ना के बड़े भाई और पूर्व जेडी (एस) सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना को सेक्स वीडियो और यौन उत्पीड़न मामले में गिरफ्तार किया गया है। उनके पिता जेडी (एस) विधायक एचडी. रेवन्ना को अपहरण के मामले में जेल हुई थी और अब वे सशर्त जमानत पर बाहर हैं। उनकी मां भवानी रेवन्ना भी प्रज्वल रेवन्ना द्वारा कथित यौन उत्पीड़न की एक पीड़िता से जुड़े अपहरण मामले में जांच का सामना कर रही हैं और हाल ही में उन्हें एक अदालत ने सशर्त जमानत दी थी।

कर्नाटक सरकार ने सूरज रेवन्ना से संबंधित यौन उत्पीड़न के दूसरे मामले को भी सीआईडी को सौंपा था। सूरज रेवन्ना पर एक अन्य जेडी (एस) पुरुष कार्यकर्ता के खिलाफ यौन उत्पीड़न का दूसरा मामला दर्ज किया गया है। यह दूसरा यौन उत्पीड़न का मामला 25 जून, 2024 को होलेनरसीपुरा ग्रामीण पुलिस स्टेशन में एक जेडी (एस) कार्यकर्ता ने दर्ज कराया था। दूसरे मामले के शिकायतकर्ता ने कहा कि चार साल पहले सूरज रेवन्ना ने उनका यौन शोषण किया था और वह अब तक दर्द और अपमान को सहते हुए चुप रहे। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि वह अभी भी जेडी (एस) कार्यकर्ता है और किसी ने सूरज रेवन्ना के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए नहीं उकसाया है।

प्रदर्शन

बेंगलूरु के कंटीरवा स्टेडियम में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह के साथ कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर।

शिवकुमार ने सिद्दरामय्या के प्रशासन से पकड़ खोने की चर्चा को खारिज किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के शिवकुमार ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या द्वारा प्रशासन पर से पकड़ खोने की चर्चाओं को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया। राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर असंतोष के बीच, पार्टी के कुछ विधायक खुले तौर पर अपनी ही पार्टी की सरकार के कामकाज के खिलाफ बोल रहे हैं। शिवकुमार ने इस मुद्दे को बढ़ावा देने के लिए मीडिया को दोषी ठहराया।

उनसे पूछा गया था कि क्या सिद्दरामय्या प्रशासन पर अपनी पकड़ खो रहे हैं, क्योंकि कई विधायक सरकार और उनके खिलाफ खुलकर बोल रहे हैं। इस पर उपमुख्यमंत्री ने कहा, मुझे नहीं पता। मुझे इसके बारे में पता नहीं है। मैंने इसके बारे में नहीं सुना है। जो भी है, मेरी पार्टी के शीर्ष नेता आएंगे। मैं उन सभी से बात भी कर रहा हूं। इसमें कुछ भी ऐसा नहीं है जिसे (मुद्दे को) तूल दिया जाए। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, मुख्यमंत्री ने प्रशासन पर नियंत्रण नहीं खोया है। ऐसा कुछ नहीं है। मीडिया चीजों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है। सिद्दरामय्या ने दिल्ली से लौटने के बाद बुधवार शाम को पार्टी विधायक बीआर पाटिल और राजू कागे से मुलाकात की और उन्हें उनकी शिकायतों पर गौर करने का आश्वासन दिया तथा उनसे सार्वजनिक रूप से सरकार के खिलाफ बयान नहीं देने को कहा। इन दोनों विधायकों ने अपनी ही सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए थे। दिल्ली दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी महासचिवों के सी वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला से मुलाकात की।

बेंगलूरु में गुरुवार रात को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कुमारा पार्क सरकारी गेस्ट हाउस में कर्नाटक राज्य लाइसेंस प्राप्त विद्युत ठेकेदार संघ के नेताओं के साथ बैठक की।

न्यायालय ने बेंगलूरु के महानगरीय जीवन को 'बहुत आकर्षक' बताया, चिकित्सकों की याचिका खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि बेंगलूरु का महानगरीय जीवन ''बहुत आकर्षक'' है और उसने शहर से बाहर स्थानांतरण किये जाने के खिलाफ दायर की गई चिकित्सकों की एक याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने यह उल्लेख किया कि यदि चिकित्सकों का बेंगलूरु से बाहर तबादला किया गया है तो इसमें कोई पूर्वाग्रह नहीं है।

पीठ ने कहा, ''बेंगलूरु का महानगरीय जीवन बहुत आकर्षक है। कर्नाटक के अन्य क्षेत्र भी विकसित हैं। आप समाज के एक विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग हैं। यदि आप स्थानांतरण का विरोध करेंगे तो दूसरों का क्या होगा। हम याचिका पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं हैं।''

शीर्ष अदालत चिकित्सकों के एक समूह द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कर्नाटक राज्य सिविल सेवा (चिकित्सा अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों के स्थानांतरण का विनियमन) नियमावली, 2025 को चुनौती दी गई थी। ये नियम राज्य के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के भीतर चिकित्सा अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों के स्थानांतरण को नियंत्रित करते हैं।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पूर्व में नियमों पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था और कहा था कि 2025 के नियम कर्नाटक राज्य सिविल सेवा (चिकित्सा अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों के स्थानांतरण का विनियमन) 2011 अधिनियम की धारा 12 के तहत राज्य सरकार की शक्ति का प्रयोग करते हुए बनाए गए थे। याचिकाकर्ताओं ने मसौदा नियमों पर आपत्तियां दर्ज कराने के लिए केवल एक सप्ताह के समय का हवाला देते हुए नियमों पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि मसौदा नियमों में ग्रेटर बेंगलूरु की कोई अवधारणा नहीं है और अंतिम अधिसूचना में ग्रेटर बेंगलूरु को शामिल करना अस्वीकार्य है।

कर्नाटक में बाघिन और चार शावकों के मृत पाए जाने के बाद मंत्री खांड्रे ने जांच के आदेश दिए

बेंगलूरु। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खांड्रे ने बृहस्पतिवार को हुग्याम वन रेंज के अंतर्गत माले महादेश्वर हिल्स में एक बाघिन और चार शावकों की अप्राकृतिक मौत की जांच के आदेश दिए। अधिकारियों ने बताया कि बाघिन और शावक गुरुवार सुबह मृत पाए गए। घटना पर दुख व्यक्त करते हुए खांड्रे ने तुरंत मामले की जांच के आदेश दिए। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) की अगुवाई में एक टीम जांच करेगी। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बाघिन की मौत जहर के कारण हुई है। मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है।

खांड्रे ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक के नेतृत्व में तत्काल एक टीम गठित कर मौके पर जांच करने के निर्देश दिए हैं।

आईआईटी जोधपुर मरुधरा की धरती पर चमकता हुआ मोती युवा सीखना और सपने देखना कभी बंद ना करें : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत समारोह केवल एक स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाला मील का पत्थर है। यहां से निकलने वाले स्नातक वह युवाशक्ति है जो विकसित भारत–विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं की ऊर्जा और नवाचार की शक्ति को पहचानती है। हम टेक्नोलॉजी, स्टार्टअप और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर निवेश कर रहे हैं ताकि युवाओं को प्रत्येक क्षेत्र में रोजगार के भरपूर अवसर मिलें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे कभी सीखना बंद ना करें, कभी सपने देखना बंद ना करें तथा अपने हर निर्णय में 'भारत प्रथम' की भावना को अपनाएं।

शर्मा गुरूवार को जोधपुर में आईआईटी, जोधपुर के 11वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा पदक विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि आपने कड़ी मेहनत, लगन और समर्पण से शिक्षा पूरी कर माता–पिता के साथ समाज का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि आईआईटी जोधपुर भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक है। कंप्यूटर साइंस, डेटा साइंस, एआई, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, बायो इंजीनियरिंग इत्यादि के क्षेत्र में यह संस्थान अपनी शिक्षा और रिसर्च के लिए जाना जाता है। आईआईटी जोधपुर मरुधरा की इस धरती में एक चमकता हुआ मोती है जो पूरे भारतवर्ष में अपनी चमक बिखेर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का इतिहास अत्यंत समृद्ध और गहराई से जुड़ा हुआ है। प्राचीन भारत में ज्ञान का उद्देश्य दर्शन या आध्यात्म के साथ व्यावहारिक उपयोग और प्राकृतिक सिद्धांतों की खोज भी था। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषियों ने शून्य की खोज कर आधुनिक गणित की नींव रखी। दशमलव प्रणाली की शुरूआत तथा त्रिकोणमितीय फलन का विकास भी भारत में ही हुआ। भास्कराचार्य और वराहमिहिर, आर्यभट्ट और ब्रह्मगुप्त जैसे विद्वानों ने देश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास में योगदान दिया।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं के ज्ञान और विशेषज्ञता को अन्तर्राष्ट्रीय मंच उपलब्ध करवाने तथा नवीनतम तकनीकी सृजन के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। शर्मा ने कहा कि 2030 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर बनाने के लिए अनेक अभूतपूर्व कदम उठाए गए हैं। इस दिशा में राइजिंग राजस्थान समिट का आयोजन कर 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू हुए और इनमें से सवा तीन लाख करोड़ रुपये के एमओयू को धरातल पर उतारा भी जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अक्षय ऊर्जा के साथ ही ऊर्जा भंडारण, वेस्ट टू एनर्जी, पर्यटन, खनन ऑटोमोबाइल और टेक्सटाइल, एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग और साइबर सिक्योरिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नई तकनीक में अवसर सृजित करने के लिए अटल इनोवेशन स्टूडियो एंड एक्सेलरेट, एवीजीसी–एक्सआर पॉलिसी, टेकबी कार्यक्रम, स्टार्टअप लॉन्चपैड, लर्न, अर्न एंड प्रोग्रेस (लीप) प्रोग्राम, सेंटर फॉर एडवांस्ड स्कीलिंग जैसे नवाचार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्टेट स्किल पॉलिसी के तहत 2 साल में डेढ़ लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही, राजस्थान रोजगार नीति–2025 तथा विवेकानंद रोजगार सहायता कोष की स्थापना भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमने 4 लाख सरकारी और निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार देने का संकल्प लिया है। भर्ती कैलेण्डर जारी करना, रोजगार मेला एवं कैम्पस प्लेसमेंट के आयोजन से समयबद्ध रूप से युवाओं को रोजगार देने के संकल्प को गति मिली है। इस अवसर पर आईआईटी जोधपुर के अभिशासक मंडल अध्यक्ष ए.एस. किरण कुमार ने कहा कि आईआईटी जोधपुर भारतीय उच्च शिक्षा में नवाचार और उत्कृष्टता का केन्द्र है। आज यहां से उपाधि प्राप्त स्नातक विद्यार्थियों के लिए देश एवं विश्व में रोजगार के अपार अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि वे अपने ज्ञान एवं मूल्यों का प्रयोग कर देश को नई ऊंचाईयों तक ले जाएं। कार्यक्रम में प्लाक्षा विश्वविद्यालय चंडीगढ के कुलपति प्रो. रूद्रप्रताप ने स्नातक की उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आप केवल डिग्रीधारी नहीं भारत के भविष्य निर्माता भी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीक का प्रयोग पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए भी करने पर जोर दिया। निदेशक आईआईटी जोधपुर प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस दौरान शर्मा ने आईआईटी जोधपुर संस्थान से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की। साथ ही, संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण मेधावी विद्यार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में स्वर्ण पदक एवं पुरस्कार प्रदान किए। प्रोफेसर आशुतोष शर्मा (पूर्व सचिव डी.एस.टी, भारत सरकार), विपिन सोंधी (पूर्व एमडी अशोक लैलेण्ड), डॉ. वीके सारस्वत (सदस्य नीति आयोग) को मानद उपाधि प्रदान की गई।

बीएसएफ के सेवानिवृत्त जवान ने साले की हत्या करने के बाद आत्महत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक सेवानिवृत्त जवान ने अपने साले की गोली मारकर कथित तौर पर हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, घटना गोटन थानाक्षेत्र के नोखा चांदावता गांव की है। पुलिस ने बताया कि बीएसएफ की 174वीं बटालियन से सेवानिवृत्त 48 वर्षीय मनरूप नागौर के पीपाड़ थानाक्षेत्र के खांगटा गांव का रहने वाला था। गोटन के थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि मनरूप ने अपनी लाइसेंसी पिस्तौल से अपने साले पप्पूराम को गोली मार दी और फिर गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि मनरूप लंबे समय से वैवाहिक विवाद से परेशान था और उसकी पत्नी मायके चंदावता गांव चली गई थी। अधिकारी ने बताया कि मनरूप को लगता था कि उसकी पत्नी को मायके पक्ष के लोग उसके खिलाफ कथित तौर पर भड़का रहे हैं, जिस वजह से बार बार दोनों पति–पत्नी में बहस होती थी।

उन्होंने बताया कि साले की हत्या से पहले मनरूप ने छह मिनट का एक वीडियो कथित रूप से रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने इस कदम के लिए शादी टूटने को जिम्मेदार बताया। मनरूप ने वीडियो में कहा, मेरी पत्नी अपने परिवार, खासकर अपनी बहन और बहनोई से रोजाना दो से तीन घंटे बात करती थी। वहीं 35 वर्षीय पप्पूराम स्थानीय पंचायत समिति में बतौर संविदाकर्मी निम्न श्रेणी लिपिक (एलडीसी) के रूप में काम करता था।

अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। उन्होंने बताया कि फोरेंसिक टीम ने घर से सबूत एकत्र किए और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए गोटन के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया।

हर थाने में 'साइबर हेल्प डेस्क' और नए व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों के बीच राजस्थान पुलिस ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। महानिदेशक पुलिस राजस्थान डॉ रविप्रकाश मेहरड़ा के मार्गदर्शन में अब राज्य के प्रत्येक पुलिस थाने में एक विशेष साइबर हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। यह पहल साइबर पीड़ितों को तत्काल सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए बनाई गई है।

महानिरीक्षक पुलिस एससीआरबी शरत कविराज ने बताया कि राजस्थान पुलिस ने साइबर डेस्क की स्थापना के अतिरिक्त साइबर अपराध की सूचना देने और त्वरित मदद पाने के लिए दो साइबर क्राइम हेल्पलाइन व्हाट्सएप नंबर – 9256001930 और 9257510100 भी जारी किए गए हैं। अब साइबर धोखाधड़ी या अन्य किसी भी डिजिटल अपराध का शिकार होने पर मदद बस एक कॉल या मैसेज दूर है।

नागौर में पति की हत्या के कुछ दिनों बाद युवती ने की आत्महत्या

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में 20 साल की एक युवती ने कथित तौर पर अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार युवती के पति की उसके रिश्तेदारों ने ही कुछ दिन पहले कथित तौर पर हत्या कर दी थी। पुलिस ने बताया कि जिले के धारणा गांव की करिश्मा (20) का शव बृहस्पतिवार सुबह उसके कमरे में लटका मिला। युवती के परिवार के सदस्यों ने दरवाजा तोड़कर पुलिस को इसकी सूचना दी। उन्होंने दावा किया कि अपने पति की हत्या से दुखी होकर करिश्मा ने यह कदम उठाया। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। गौरतलब है कि करिश्मा ने पिछले साल नवंबर में सहदेवराम (28) से 'कोर्ट मैरिज' की थी। इस साल 14 जून को सहदेवराम का शव नागौर जिले के एक खेत में मिला था। सहदेवराम प्रतियोगी परीक्षा देने के लिए अपने पिता के साथ नागौर से अजमेर पहुंचा था। बस स्टैंड पर सहदेवराम को करिश्मा की बहन और उसका पति मिले और बस स्टैंड के बाहर ले गए। सहदेवराम ने अपने पिता से बस स्टैंड पर इंतजार करने को कहा। जब वह देर तक नहीं लौटा तो उसके पिता ने उसकी तलाश शुरू की और स्थानीय थाने में शिकायत दी। उन्होंने आशंका जताई कि उसके साथ कोई अनहोनी हो सकती है।

समाज को नशा मुक्त रखने में सरकार और युवा भी निभाएं जिम्मेदारी : अविनाश गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि समाज को नशा मुक्त रखने की जिम्मेदारी सरकार और संस्थाओं की ही नहीं, अपितु समाज के हर व्यक्ति की है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने आसपास के लोगों में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता लाने और नशे की गिरफ्त में जकड़े लोगों को इस दुष्चक्र से निकालने का संकल्प लेना होगा।

गहलोत गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के मौके पर इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश भर में नशे की रोकथाम के लिए व्यापक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2025 के बजट में श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर व बाड़मेर सहित 10 जिलों में 25–25 बेड क्षमता के नशामुक्ति केन्द्रों की स्थापना की घोषणा की थी जो कि सभी जिलों में प्रारंभ भी हो गए हैं।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा प्रदेश भर में 85 लाइसेंसशुदा गैर अनुदानित, 10 केंद्र राज्य सरकार द्वारा अनुदानित तथा 38 केंद्र भारत सरकार द्वारा अनुदानित संचालित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा है कि प्रदेश का कोई भी युवा नशे या व्यसन की लत में ना रहे और राज्य सरकार द्वारा संचालित नशा मुक्ति केंद्रों से जुड़कर नशे को छोड़कर समाज की मुख्य धारा में शामिल हो सके।

गहलोत ने कहा कि प्रदेश के नशा मुक्ति केंद्रों पर निगरानी व मॉनिटरिंग के लिए विभाग द्वारा कड़ी और पारदर्शी व्यवस्था की जा रही है।

जहां जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा समय–समय पर केंद्रों का निरीक्षण किया जा रहा है, वहीं किसी भी स्तर पर कमी होने पर संस्था प्रधानों को नोटिस तथा लापरवाही बरतने पर लाइसेंस तक रद्द किए जाते हैं। विभाग का मानना है कि केंद्रों का नियमानुसार संचालन ही व्यसनी व्यक्ति के लिए सच्ची मदद है। गहलोत ने इस मौके पर सभागार में उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति के लिए शपथ दिलाई।

दिल्ली नौसेना भवन से जासूसी के आरोप में यूडीसी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस की खुफिया विंग ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली स्थित नौसेना भवन से एक अपर डिवीजन क्लर्क (यूडीसी) को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिरीक्षक (सीआईडी सुरक्षा) विष्णुकांत गुप्ता ने बताया कि राजस्थान सीआईडी इंटेलिजेंस ने यह बड़ी कार्रवाई करते हुए विशाल यादव निवासी पुनसिका रेवाड़ी हरियाणा को बुधवार को शासकीय गुप्त बात अधिनियम 1923 के तहत गिरफ्तार किया है। गुप्ता ने बताया कि पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसियों द्वारा की जाने वाली जासूसी गतिविधियों पर सीआईडी इंटेलिजेंस राजस्थान लगातार निगरानी रख रही थी इसी दौरान यह जानकारी सामने आई कि नौसेना भवन दिल्ली में डायरेक्टरेट ऑफ डॉकयार्ड में कार्यरत विशाल यादव सोशल मीडिया के माध्यम से एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की महिला हैंडलर के निरंतर संपर्क में था। यह महिला जिसका छद्म नाम प्रिया शर्मा बताया जा रहा है, विशाल को पैसों का लालच देकर

नौसेना भवन से सामरिक महत्व की गोपनीय सूचनाएं निकालने के लिए उकसा रही है। प्राथमिक पूछताछ में सामने आया है कि विशाल यादव ऑनलाइन गेम खेलने का आदी था और अपनी आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए उसने देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करना शुरू कर दिया। वह महिला पाक हैंडलर को संवेदनशील सूचनाएं उपलब्ध कराकर अपने क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग अकाउंट में यूएसडीटी और सीधे अपने बैंक खातों में धनराशि प्राप्त कर रहा था। संदिग्ध के मोबाइल फोन का फॉरेंसिक विश्लेषण किए जाने पर जो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं, उसके मोबाइल से मिली चैट और दस्तावेजों के अवलोकन से पता चला है कि विशाल यादव ने ऑपरेशन सिंदूर अभियान के दौरान भी नौसेना और अन्य रक्षा संबंधी गोपनीय सूचनाएं महिला पाक हैंडलर को उपलब्ध कराई।

फ्रांस और जर्मनी की सात दिवसीय यात्रा से लौटे विधानसभा अध्यक्ष देवनानी

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी फ्रांस और जर्मनी की संसदीय परंपराओं और पद्धतियों की सात दिवसीय अध्ययन यात्रा के बाद गुरुवार को तीन बजे दिल्ली पहुंचे, जहां से वे वायुयान से जयपुर लौटे। जयपुर हवाई अड्डे पर देवनानी की विशिष्ट सहायक के के शर्मा के साथ विधानसभा के अधिकारियों ने अगवानी की। देवनानी ने राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के तत्वाधान में फ्रांस और जर्मनी की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के अध्ययन के लिए यह यात्रा की। इस यात्रा के तहत देवनानी ने दोनों देशों के सदनों के अवलोकन के साथ वहां के ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्थलों का दौरा भी किया।

इस अंतरराष्ट्रीय यात्रा के दौरान देवनानी ने न केवल संसदीय संरचनाओं का अध्ययन किया, बल्कि भारतीय दृष्टिकोण से लोकतंत्र, सांस्कृतिक बोध और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रभावी ढ़ंग से प्रस्तुत किया।

देवनानी ने कहा कि इस अध्ययन यात्रा मैं उन्होंने भारत की चेतना को यूरोप की संसदों में स्पंदित होते अनुभव किया और राजस्थान की मिट्टी की महक वहाँ के लोकतंत्र में घुलती दिखी। राजस्थान केवल भौगोलिक इकाई नहीं बल्कि एक वैश्विक संस्कृति का वाहक है। उन्होंने लोकतंत्र के आधुनिक स्वरूप को भारत की परंपरा, सहिष्णुता, और सहभागिता के साथ जोड़ते हुए यूरोप में एक नया विमर्श आरंभ किया।

देवनानी ने फ्रांस और जर्मनी के विभिन्न राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं अकादमिक संस्थानों का दौरा कर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं, संसदीय कार्यप्रणालियों और सामाजिक विकास के विविध पहलुओं का अध्ययन किया।

देश के हालात 'अघोषित आपातकाल' जैसे : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि देश में लोकतंत्र का सबसे अधिक ह्रास पिछले 11 साल में हुआ है। उन्होंने कहा कि देश के मौजूदा हालात 'अघोषित आपातकाल' जैसे हैं। भाजपा और उसके नेतृत्व वाली सरकारों द्वारा आपातकाल की बरसी को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाए जाने पर कटाक्ष करते हुए गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, भाजपा सरकारों द्वारा संविधान हत्या दिवस मनाना ऐसा है जैसा किसी बेईमान व्यक्ति का ईमानदारी पर ज्ञान देना। इस देश में यदि लोकतंत्र का सबसे ज्यादा ह्रास हुआ है तो वह पिछले 11 सालों में हुआ है।

गहलोत के अनुसार, भारत में आज जो हालात हैं, उसे सिर्फ दो शब्दों में बयां किया जा सकता है अघोषित आपातकाल, क्योंकि अभी ना संविधान निलंबित किया गया है, ना राष्ट्रपति ने घोषणा की है, लेकिन जनता के हक, बोलने की आज़ादी, और विपक्ष की आवाज़ दबाने का प्रयास लगातार जारी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के कहा, आज स्थिति ऐसी है कि पत्रकार अगर सवाल पूछे तो देशद्रोही, छात्र अगर विरोध करें तो आतंकवादी, विपक्षी नेता अगर सरकार का विरोध करें तो ईडी का शिकार। क्या यही है भाजपा सरकार के लोकतंत्र का नया मॉडल? असल में लोकतंत्र की हत्या यही है।

उन्होंने दावा किया कि आपातकाल के दौरान किसी भी मुख्यमंत्री को गिरफ्तार नहीं किया गया था और न ही किसी की संसद सदस्यता रद्द की गई थी परन्तु भाजपा सरकार में झारखंड के मुख्यमंत्री, दिल्ली के मुख्यमंत्री को जेल में डाल दिया गया, कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सदस्यता रद्द कर दी गई। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्ष के 200 से अधिक नेताओं पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से कार्रवाई की गई जबकि इनमें से कई नेता जब भाजपा में गए तो कार्रवाई बंद हो गई। उन्होंने दावा किया, आपातकाल के दौरान किसी भी राज्य में विधायकों की खरीद फरोख्त कर सरकार नहीं गिराई गई परन्तु पिछले 11 साल में मध्य प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मणिपुर समेत तमाम राज्यों में विधायकों की खरीद–फरोख्त कर जनमत को चुराया गया और सरकारें गिराईं गईं। गहलोत ने आरोप लगाया, विपक्षी लोगों के फोन टैप करना, उनकी जासूसी करना इस सरकार का शौक है। आज पूरे देश में पति–पत्नी तक 'नॉर्मल कॉल' पर बात करने से डरते हैं और फेसटाइम एवं वॉटसऐप पर बात करते हैं। हर किसी को ये डर है कि उनकी बातचीत कोई सुन तो नहीं रहा।

केंद्र सरकार पर तानाशाही करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, संवैधानिक प्रावधान को माना नहीं जा रहा है। राज्य सूची के विषयों पर केन्द्र सरकार कानून बनाकर तानाशाही से लागू कर रही है। जहां भाजपा की सरकारें हैं वहां कई राज्यों में मुख्यमंत्री थोपे गए हैं एवं जहां विपक्ष की सरकारें हैं वहां राज्यपालों के माध्यम से राज्य सरकार के कामकाज में हस्तक्षेप किया जाता है। यह लोकतंत्र और संविधान की हत्या है। उन्होंने लिखा, हम डरेंगे नहीं। झुकेंगे नहीं। संविधान, लोकतंत्र और जनता की आवाज को बचाने के लिए हम लड़ते रहेंगे।

विकास कार्यों में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त : दीया कुमारी

जयपुर । उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने आज विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के रोड़ नंबर 14 इलाके का दौरा किया। यहां नाले के पानी की निकासी में आ रही समस्याओं को लेकर उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों के साथ हालतो की समीक्षा की और स्थानीय लोगों से भी बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। पानी निकासी की वर्षों पुरानी समस्या के स्थायी समाधान में हो रही देरी को लेकर उपमुख्यमंत्री ने नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को फटकार लगाई और स्पष्ट निर्देश दिए कि जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

मीडिया से बातचीत में उपमुख्यमंत्री ने कहा, बजट घोषणाओं और विकास कार्यों की नियमित समीक्षा के लिए अब हर महीने दो बैठकें की जा रही हैं, जिनमें संबंधित विभागों को भी शामिल किया जाता है। कई बार जमीनी स्तर की दिक्कतें सामने आती हैं, इसलिए हम जनता से भी सहयोग की अपील करते हैं।

विद्याधर नगर निरीक्षण के बाद उपमुख्यमंत्री भांकरोटा क्षेत्र के लिए रवाना हुईं, जहां उन्होंने रिंग रोड और एनएचएआई द्वारा चल रहे निर्माण कार्य का जायजा लिया। अजमेर रोड के समीप जलभराव और ट्रैफिक जाम की स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रिंग रोड का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

राष्ट्रपति मुर्मू ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को यहां सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का हालचाल जाना।

मुर्मू ने सोरेन के बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की और उनके पिता के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी और मुलाकात की तस्वीर साझा की। अधिकारियों ने बताया कि शिबू सोरेन (81) पिछले पांच दिन से अस्पताल में हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता शिबू सोरेन को पार्टी के संस्थापक संरक्षक के रूप में जाना जाता है। मुर्मू 18 मई, 2015 से 13 जुलाई, 2021 तक झारखंड की राज्यपाल थीं। वह सर गंगाराम कैंसर सेंटर का उद्घाटन करने के लिए अस्पताल पहुंची थीं।

ओडिशा : रथ यात्रा से पहले हजारों लोगों ने भगवान जगन्नाथ के 'नबाजौबन' दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी/भाषा। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा से एक दिन पहले बृहस्पतिवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालु ओडिशा के पुरी में 12वीं सदी के मंदिर में भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के 'नबाजौबन दर्शन' के लिए उमड़ पड़े। श्रद्धालु सूर्योदय से पहले ही मंदिर के 'सिंह द्वार' पर पहुंच गए और 'रत्न बेदी' (गर्भगृह में पवित्र मंच) पर भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के 'नबाजौबन दर्शन' (युवा रूप) किए। स्नान अनुष्ठान के बाद 11 जून को भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के सार्वजनिक दर्शन बंद कर दिए गए थे। जगन्नाथ संस्कृति के शोधकर्ता भास्कर मिश्रा ने कहा, ऐसा माना जाता है कि स्नान अनुष्ठान के बाद भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा अस्वस्थ हो जाने के कारण सार्वजनिक दर्शन के लिए उपलब्ध नहीं होते हैं। रथ यात्रा से पहले पखवाड़े भर तक वे 'अनासर घर' (अलगाव कक्ष) में पृथक-वास में रहते हैं।

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के एक अधिकारी के अनुसार, मंदिर सुबह आठ बजे से पूर्वाह्न साढ़े 10 बजे तक 'नबाजौबन दर्शन' के लिए भक्तों के लिए खुला रहेगा। 'नबाजौबन बेशा' पर, भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ एक विशेष युवा पोशाक पहनते हैं, और यह अनुष्ठान भगवान जगन्नाथ के कायाकल्प का जश्न मनाने के लिए किया जाता है। इस दिन को नेत्र उत्सव भी कहा जाता है, जब मूर्तियों की आंखों को रंगा जाता है। मिश्रा ने बताया कि मंदिर में गुप्त रूप से यह अनुष्ठान नियुक्त सेवकों द्वारा किया जाता है। एसजेटीए अधिकारी ने कहा, ''श्रद्धालुओं को पहले मंदिर के अंदर 'पारमाणिक' (भुगतान करके) दर्शन के लिए जाने की अनुमति दी गई, जो सुबह आठ से नौ बजे के बीच हुआ और आम जनता के लिए दर्शन सुबह नौ से पूर्वाह्न साढ़े 10 बजे के बीच हुआ।'' उन्होंने कहा कि बाद में मंदिर के कपाट दिन भर के लिए बंद कर दिए गए।

एसजेटीए के प्रशासन प्रमुख अरबिंद पाढ़ी ने कहा, सभी सेवकों के सहयोग से 'नबाजौबन दर्शन' सुचारू रूप से संपन्न हो गये। हमें उम्मीद है कि रथ यात्रा भी सुचारू रूप से संपन्न होगी।

दिन के समय तीनों रथ मंदिर के मुख्य द्वार के सामने खड़े रहेंगे।

एसजेटीए अधिकारी ने कहा, दोपहर में उन्हें रथ खड़ा (रथ यार्ड) से खींचा जाएगा। रथों को पार्क करने की रस्में निभाई जाएंगी।

ब्रह्मोस, आकाश का पाकिस्तान पर हुआ परीक्षण, दुनिया के लिए विश्वसनीय बनीं: योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गाजियाबाद/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण होने के बाद अब ये मिसाइल दुनिया के लिए विश्वसनीय बन गई हैं।

योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्मोस मिसाइल के लिए विभिन्न कलपुर्जों की आपूर्ति करने वाले उपक्रम सेंटर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल) के ईएसडीएस के साथ मिलकर स्थापित किए जाने वाले हरित डेटा सेंटर की आधारशिला रखते हुए यह बात कही। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के साहिबाबाद में स्थित सीईएल परिसर में इस डेटा सेंटर की स्थापना लगभग 1,000 करोड़ रुपए के निवेश से की जाएगी। इसकी क्षमता 30 मेगावाट की होगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सेंटर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल) ब्रह्मोस मिसाइल के लिए विभिन्न कलपुर्जों की आपूर्ति करती है, जिनका उत्पादन रक्षा औद्योगिक गलियारे के लखनऊ क्षेत्र में किया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा, हाल ही में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमने आकाश और ब्रह्मोस मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। मुझे लगता है कि हम इन दोनों मिसाइल के बारे में कह सकते हैं कि इनका पाकिस्तान में परीक्षण किया गया और अब ये दुनिया के लिए विश्वसनीय बन गई हैं। उन्होंने कहा कि सीईएल इन मिसाइल के लिए रेडोम, रडार प्रणाली, स्पीड कंट्रोल प्रणाली के लिए कलपुर्जे और सिस्टम की आपूर्ति करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय सीईएल के भविष्य को लेकर अनिश्चितता थी, लेकिन अब यह 'मिनी रत्न' विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए तैयार है।

सोमनाथ भारती अपनी पत्नी के मानहानि मामले में पैरवी नहीं कर सकते: सीतारमण ने अदालत से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को दिल्ली की एक अदालत से कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) नेता सोमनाथ भारती कानूनी तौर पर ''हितों के टकराव'' के कारण मानहानि के एक मामले में अपनी पत्नी की पैरवी नहीं कर सकते।

भारती की पत्नी लिपिका मित्रा ने सीतारमण के खिलाफ मानहानि का आरोप लगाते हुए अदालत में आपराधिक शिकायत दायर की थी। सीतारमण के वकील ने दलील दी कि सोमनाथ भारती का मित्रा की शिकायत में प्रतिनिधित्व करना हितों का टकराव है, क्योंकि मित्रा, भारती की पत्नी हैं, जिन्होंने आरोप लगाया है कि मंत्री के कथित भाषण से उनके पति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। वकील ने कहा कि भारती खुद के ही मामले में पेश नहीं हो सकते और उन्हें अपना वकालतनामा (अदालत में पैरवी करने के लिए वकील को अधिकृत करने वाला दस्तावेज) वापस ले लेना चाहिए, अन्यथा उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने के लिए 'बार काउंसिल ऑफ इंडिया' (बीसीआई) को कहा जाए। भारती द्वारा अर्जी पर बहस के लिए समय मांगे जाने के बाद अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने सुनवाई की तारीख 16 जुलाई तय की। न्यायाधीश ने 19 मई को सीतारमण को नोटिस जारी किया था, जिसमें कहा कि ''आरोपी को सुनवाई का अवसर दिया जाना चाहिए।'' न्यायाधीश ने कहा, ''शिकायतकर्ता के खिलाफ प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अपमानजनक और मानहानिकारक टिप्पणी करने एवं प्रकाशित करने का नया मामला प्राप्त हुआ है। इसकी जांच की जानी चाहिए और इसे दर्ज किया जाना चाहिए।''

लालू बिहार की सत्ता में लौटने का सपना देख रहे हैं, लेकिन परिवार को संभाल ही नहीं पा रहें : गिरिराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद पर कटाक्ष करते हुए कहा कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री राज्य की सत्ता में लौटने का सपना देख रहे हैं, लेकिन अपना परिवार संभाल ही नहीं पा रहे हैं।

सिंह ने दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार में फिर से सरकार बनाएगा। केंद्रीय मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''लालू प्रसाद बिहार चुनाव जीतने के लिए 'मुंगेरी लाल के हसीन सपने' देख रहे हैं, लेकिन अपने परिवार को संभाल ही नहीं पा रहे हैं। उनके एक बेटे ने बगावत कर दी है। आने वाले दिनों में राजग फिर से नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में सरकार बनाएगा।'' सिंह आपातकाल की 50वीं बरसी पर भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने आए थे। बाद में, संवाददाताओं को संबोधित करते हुए सिंह ने आरोप लगाया कि आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने लोकतंत्र की हत्या की थी। उन्होंने झारखंड सरकार पर बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देने का भी आरोप लगाया। सिंह ने आरोप लगाया, ''झारखंड विस्फोटकों के ढेर पर बैठा हुआ है, जो बांग्लादेशी घुसपैठिये हैं। जहां पूरे देश में घुसपैठियों का पता लगाया जा रहा है, वहीं झारखंड में उनका स्वागत किया जा रहा है।''

अंतरराज्यीय मार्गों पर करीब 300 बसें चलेंगी : नीतीश कुमार

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली जैसे राज्यों में रहने वाले प्रवासियों की सुविधा के लिए लगभग 300 बसें 'अंतरराज्यीय मार्गों' पर चलेंगी।

कुमार ने कहा कि ये बसें त्योहारों के मौसम में काम आएंगी, क्योंकि छठ पूजा, होली, दिवाली और दुर्गा पूजा के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपने गृह राज्य जाते हैं। इनमें वातानुकूलित और गैर-वातानुकूलित दोनों तरह की बसें शामिल होंगी। मुख्यमंत्री ने पोस्ट में कहा कि 24 जून को 105.82 करोड़ रुपए की लागत से 75 वातानुकूलित और 74 डीलक्स बसों की खरीद के लिए कैबिनेट की मंजूरी दी गई थी, जबकि अन्य 150 एसी बसें सार्वजनिक-निजी-भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर चलाई जाएंगी। उन्होंने कहा, ''दिल्ली, उप्र, पंजाब, हरियाणा और पश्चिम बंगाल में रहने वाले राज्य के लोग छठ पूजा, होली, दिवाली और दुर्गा पूजा जैसे त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में बिहार आते हैं। त्योहारों के मौसम में उन्हें बिहार की यात्रा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।'' मुख्यमंत्री ने पोस्ट में लिखा, ''हमारी सरकार ने बिहार आने वालों के लिए यात्रा को सुगम और अधिक सुविधाजनक बनाने के वास्ते कई कदम उठाये हैं तथा पहल की हैं। इस पहल के तहत, राज्य सरकार बिहार से जुड़े अंतर-राज्यीय मार्गों पर कुल 299 वातानुकूलित और गैर-वातानुकूलित बसें चलाने की तैयारी कर रही हैं। चौबीस जून को हुई कैबिनेट की बैठक में इसे मंजूरी दी गयी।'' मुख्यमंत्री ने लिखा कि राज्य सरकार त्योहारों, खासकर छठ पूजा, होली, दिवाली और दुर्गा पूजा के दौरान अतिरिक्त विशेष ट्रेन चलाने के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध करेगी।

भारत तुलबुल परियोजना फिर से शुरू करने की योजना पर आगे बढ़ रहा :सूत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार लंबे समय से रुकी हुई तुलबुल परियोजना को फिर से शुरू करने की योजना पर आगे बढ़ रही है और यह सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के तहत पश्चिमी नदियों से देश के हिस्से के पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। शीर्ष आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

तुलबुल परियोजना के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है और इसके पूरा होने में लगभग एक वर्ष का समय लगने की उम्मीद है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''इसके बाद ही हम कोई निर्णय लेंगे।'' उन्होंने पुष्टि की कि परियोजना को फिर से पटरी पर लाने के लिए चर्चा अग्रिम चरण में है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि को ''स्थगित'' कर दिए जाने की पृष्ठभूमि में यह कदम उठाया गया है। आतंकी हमले के बाद, भारत ने पाकिस्तान के साथ अपने जल-बंटवारे की व्यवस्था का पुनर्मूल्यांकन करना शुरू किया था। सिंधु जल संधि के तहत भारत के पास सिंधु, चिनाब और झेलम पर सीमित अधिकार हैं, जो मुख्य रूप से पाकिस्तान में बहती हैं। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि इन नदियों से भारत के हिस्से के पानी के उपयोग को बढ़ाने के लिए कई प्रस्ताव विचाराधीन हैं।

सत्ता हासिल करने के लिए संविधान का इस्तेमाल करती है भाजपा : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता हासिल करने के लिए संविधान का इस्तेमाल करती है, लेकिन जैसे ही वह सत्ता प्राप्त कर लेती है, संविधान का सम्मान करना भूल जाती है।

यादव ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, भाजपा सत्ता में आने के लिए संविधान का इस्तेमाल करती है। वह सत्ता में आने तक संविधान की चर्चा करती है और इसका अनुपालन करने की बात करती है। लेकिन जैसे ही वह सत्ता प्राप्त कर लेती है, संविधान का सम्मान नहीं करती। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान को बनाए रखने की कसम खाते हैं, लेकिन अपने कार्यों में कहीं भी संविधान के प्रति निष्ठा नहीं दिखाते।

सपा प्रमुख ने कहा कि उन्हें भाजपा के बयानों में विरोधाभास दिखाई देता है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, जो लोग समाजवाद के खिलाफ हैं, वे धर्मनिरपेक्ष लोगों के भी खिलाफ हैं। यह समाज में एक मौलिक लड़ाई है। यह मैं बनाम हम की लड़ाई है। समाज के उत्थान के लिए व्यक्ति को अपने व्यक्तिव का विलय करना पड़ता है जोकि आत्मकेंद्रित लोग कभी नहीं करते। उन्होंने भाजपा पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि ऐसे स्वार्थी लोग हर विचार और समाज एवं समाजवाद से जुड़े शब्द के खिलाफ हैं।

यादव ने कहा, यह नकारात्मक लोग अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए समाज को कमजोर करते हैं क्योंकि इनका दबदबा तभी दिखाई देगा जब समाज कमजोर रहे। इसलिए ये हर उस चीज के खिलाफ हैं जो समाज को मजबूत करती हो।

यादव ने बिना किसी का नाम लिए कहा, ऐसे लोग बुनियादी रूप से सांप्रदायिक होते हैं। यही वजह है कि वे धर्मनिरपेक्षता के कट्टर विरोधी हैं क्योंकि धर्मनिरपेक्षवाद हमें लोगों को करीब लाने की, सौहार्द स्थापित करने और जियो एवं जीने दो का पाठ पढ़ाता है।

यादव ने कहा कि एकाधिकार वाले लोग समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष विचारों का विरोध करते हैं क्योंकि समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष होने के लिए एक बड़े दिल की जरूरत होती है, जबकि बिना ह्रदय वाले लोग हमेशा इसका विरोध करते हैं और करते रहेंगे।

'मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही केंद्र सरकार'

इंफाल/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक के. इबोम्चा ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र सरकार मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है ताकि राज्य में जनहितैषी सरकार का गठन किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के सभी नागरिक समाज संगठनों को एक अनुकूल माहौल सुनिश्चित करने के वास्ते केंद्र को पूरा सहयोग देना चाहिए, जो जनहितैषी सरकार स्थापित करने की एक शर्त है। विधायक ने कहा, आज (बृहस्पतिवार को) हमने अपनी पार्टी की प्रदेश इकाई की अध्यक्ष ए. शारदा देवी से मुलाकात की और दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ उनकी हाल की बैठक के बाद विभिन्न मामलों पर चर्चा की। इबोम्चा ने कहा कि जनहितैषी सरकार बनाने के लिए पहले राज्य में अनुकूल माहौल होना चाहिए।

जम्मू कश्मीर के राज्य के दर्जे की बहाली पर चर्चा जल्द पूरी होनी चाहिए: मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के राज्य के दर्जे की बहाली पर चर्चा जल्द पूरी होनी चाहिए ताकि लोगों वह मिल सके जिसकी वे मांग कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) निदेशालय द्वारा यहां आयोजित एक विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश के लिए कई परियोजनाओं को मंजूरी दिए जाने की सराहना भी की। उन्होंने कहा, चर्चा होनी चाहिए, यह अच्छी चीज है। लेकिन हम चाहते हैं कि चर्चा शीघ्र पूरी हो और हमें वह मिले जिसकी हम मांग कर रहे हैं।

जम्मू कश्मीर के लिए सुरंगों सहित 10,600 करोड़ रुपए की लागत वाली कई परियोजनाओं को मंजूरी देने का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं से केंद्र शासित प्रदेश के विकास को काफी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, मुगल रोड पर सुरंग की मांग लंबे समय से थी, क्योंकि यह सड़क 2008-09 में बनकर तैयार हुई थी। लोग चाहते थे कि यह सड़क पूरे साल खुली रहे। इसी तरह, तंगधार को जोड़ने के लिए साधना दर्रे पर सुरंग की मांग लंबे समय से थी, जिसे मंजूरी मिल गई है।

'वैवाहिक मामलों में मध्यस्थता की अवधारणा को लेकर गलतफहमी है'

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वैवाहिक मामलों में मध्यस्थता की अवधारणा के बारे में ''गलतफहमी'' है और अक्सर मध्यस्थता का मतलब यह माना जाता है कि दोनों पक्षों को एक साथ रहना होगा। न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह ने एक स्थानांतरण याचिका पर यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा, ''वैवाहिक मामलों में हमने पाया है कि मध्यस्थता की अवधारणा को लेकर गलतफहमी है।'' उन्होंने कहा, ''जैसे ही हम मध्यस्थता की बात करते हैं, उन्हें लगता है कि हम उन्हें साथ रहने के लिए कह रहे हैं। हमें इस बात से कोई मतलब नहीं है कि वे साथ हैं या अलग। हम बस मामले का हल चाहते हैं। हम चाहेंगे कि वे साथ रहें...।'' उच्चतम न्यायालय ने वाणिज्यिक अदालतें अधिनियम, 2015 का उल्लेख किया, जिसमें मुकदमा दायर करने से पहले मध्यस्थता और समाधान की प्रक्रिया का प्रावधान है।

शिखर धवन बने लेखक, अपने संस्मरण लिखे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने अपने जीवन के संस्मरणों को कलमबद्ध किया है जिसमें रिश्तों से लेकर दोस्ती तक और मैदान के भीतर तथा बाहर के विवादों पर भी खुलकर बात की है ।

धवन ने अपनी किताब 'द वन : क्रिकेट , माय लाइफ एंड मोर' के बारे में कहा ,'' क्रिकेट ने मुझे जीने का मकसद दिया लेकिन इस सफर में उतार चढाव और खामोश पल भी रहे । इसने मुझे वह इंसान बनाया जो आज मैं हूं । मैं दिल से अपनी कहानी कह रहा हूं जो ईमानदार और किसी फिल्टर के बिना है ।''

प्रकाशक हार्पर कोलिंस इंडिया ने कहा ,'' पूरी स्पष्टवादिता और ईमानदारी के साथ लिखी गई 'द वन' शिखर धवन के आंतरिक संवाद और उन सभी कमजोरियों की अभूतपूर्व झलक पेश करती है जिन्होंने उन्हें एक चैंपियन क्रिकेटर और संवेदनशील इंसान बनाया है।''

कंपनी के प्रकाशक सचिन शर्मा ने कहा ,'' शिखर धवन का मैदान के भीतर और बाहर जीवन शानदार रहा है । इस संस्मरण में शिखर ने अपने जीवन, रिश्तों और हर उस अनुभव के बारे में बात की है जिसका उन्होंने सामना किया और मजबूत होकर निकले हैं ।''

दिल्ली में पले बढे धवन ने बतौर विकेटकीपर शुरूआत की थी लेकिन बाद में सलामी बल्लेबाज बने । भारत के लिये 34 टेस्ट में उन्होंने 2315 रन, 167 वनडे में 6793 रन और 68 टी20 मैचों में 1759 रन बनाये हैं । उन्होंने किताब में लिखा ,'' जब मैं भारतीय टीम में अपने की कोशिश कर रहा था तब सोशल मीडिया नया था और क्रिकेटरों पर इतनी नजर नहीं रखी जाती थी । लेकिन प्रिंट और प्रसारण मीडिया चरम पर था ।'' उन्होंने लिखा ,'' टीम चयन और व्यक्तिगत प्रदर्शन पर चर्चा होती थी और लोग पढते थे । आजकल की तरह नहीं जब सोशल मीडिया रातोरात क्रिकेटर को हीरो से जीरो बना देता है ।''

धवन ने महेंद्र सिंह धोनी से पहली मुलाकात के बारे में लिखा है ,'' मैं उसे एक बॉलीवुड मूवी में देखना चाहता था । वह फिल्म स्टार की तरह दिखता था । लंबे बाल और आकर्षक मुस्कान । हम आपस में बात कर रहे थे और मैने उससे कहा कि मैं भारत के लिये खेलना चाहता हूं और मैं चाहता हूं कि तुम बॉलीवुड हीरो बनो । वह बहुत हंसने लगा ।''

निर्वाचन आयोग ने 345 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटाने की कार्यवाही शुरू की

नई दिल्ली/भाषा। भारत निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने 345 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) को सूची से हटाने की कार्यवाही शुरू कर दी है। ये 2019 से पिछले छह वर्षों में एक भी चुनाव लड़ने की आवश्यक शर्त को पूरा करने में विफल रहे हैं। आयोग ने बताया कि इन राजनीतिक दलों के कार्यालय भी कहीं भौतिक तौर पर पता नहीं लगाया जा सका। इसने कहा कि ये 345 राजनीतिक दल देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं। आयोग के संज्ञान में आया है कि वर्तमान में आयोग के पास पंजीकृत 2,800 से अधिक आरयूपीपी में से कई ऐसे राजनीतिक दल आवश्यक शर्तों को पूरा करने में विफल रहे हैं।

खेल में बदलाव के साथ तालमेल बिठाने के लिए संयम और ताकत पर काम कर रही हैं सिंधू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू का कहना है कि महिला एकल बैडमिंटन में आक्रामक रैलियों की जगह अब कोर्ट पर ताकत की परीक्षा होने लगी है जिससे वह इस चुनौतीपूर्ण दौर में बदलती लय के साथ तालमेल बिठाने के लिए अपने खेल में बदलाव कर रही हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता के लिए यह साल आदर्श नहीं रहा है क्योंकि वह इसमें चार बार पहले दौर से बाहर हो चुकी हैं जबकि तीन बार दूसरे दौर में हार का सामना कर चुकी हैं। वह बस जनवरी में इंडिया ओपन में क्वार्टरफाइनल में जगह बना सकीं।

यहां चुनिंदा पत्रकारों से बात करते हुए सिंधू ने कहा, ''महिला एकल स्पर्धा पूरी तरह बदल गई है। शुरू में इसमें आक्रामकता और तेज रैलियां होती थीं लेकिन अब लंबी रैलियों से लंबे मैच के कारण खेल रक्षात्मक हो गया है। ''

सुविचार

कृष्ण का वचन था कि प्रेम में कोई सीमा नहीं होती, और राधा ने इसे अपने पूरे जीवन से साबित किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

खबरों की खुराक से संवरेगा भविष्य

हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में सुबह की प्रार्थना सभाओं में दैनिक समाचार पढ़ना अनिवार्य करने संबंधी फैसला सराहनीय है। इसके लिए स्कूलों में समाचार पत्रों की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाना भी स्वागत योग्य है। विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों के साथ देश-दुनिया में हो रहीं घटनाओं की जानकारी होनी चाहिए। नब्बे के दशक तक स्कूलों की प्रार्थना सभाओं में समाचार पत्र पढ़ने का चलन खूब था। यह आज भी कुछ स्कूलों में है। ऐसा सभी स्कूलों में होना चाहिए। अगर बच्चों को विद्यार्थी जीवन में समसामयिक घटनाओं के बारे में पता न हो तो उन्हें भविष्य में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में इनसे जुड़े प्रश्न आते हैं। आज स्कूलों और कॉलेजों के कई विद्यार्थी ऐसे हैं, जिन्हें फिल्म जगत के बारे में तो खूब पता है, लेकिन उन्हें अपने देश के महत्त्वपूर्ण पदों पर सेवारत लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। आज दुनिया तेजी से बदल रही है। पहले, जो टेक्नोलॉजी दशकों बाद आती थी, अब वह कुछ ही वर्षों में आ रही है। अगर विद्यार्थियों को ज़माने की ख़बर नहीं होगी तो वे प्रगति की दौड़ में पीछे रह जाएंगे। हिमाचल सरकार का उक्त फैसला विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान से आगे लेकर जाने में सहायक सिद्ध होगा। इससे बच्चे दुनिया में आ रहे बदलावों को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे, उनके मन में जिज्ञासा पैदा होगी और वे तर्क करने में सक्षम होंगे। समाचार पत्र पढ़ने से बच्चों की सोच का दायरा भी बढ़ेगा। ये बच्चे आगे चलकर सकारात्मक बदलाव के वाहक बनेंगे।

जो बच्चे नियमित रूप से समाचार पत्र पढ़ते हैं, उनकी शब्दावली अच्छी हो जाती है। उन्हें लिखने और बोलने का हुनर आ जाता है। वे परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। उन्हें जीवन में विभिन्न अवसरों पर इसका लाभ मिलता है। समाचार पत्र पढ़ने से बच्चों में आलोचनात्मक सोच पैदा होगी और मौलिक चिंतन को बढ़ावा मिलेगा। दुनिया को देखने और समझने का उनका अपना नज़रिया होगा। इन दिनों सोशल मीडिया पर 'फेक न्यूज' भी खूब प्रसारित हो रही हैं। जो लोग रोजाना समाचार पत्र नहीं पढ़ते, वे उनके आसानी से शिकार बनते हैं। पिछले कुछ वर्षों में 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर साइबर धोखाधड़ी की कई घटनाएं हो चुकी हैं। उनके शिकार भी वे लोग ज्यादा बने, जिन्हें समसामयिक घटनाओं की पर्याप्त जानकारी नहीं थी। समाचार पत्रों में साइबर विशेषज्ञ कई बार आगाह कर चुके हैं कि ऐसी धोखाधड़ी से बचें, लेकिन लोगों ने समय रहते ध्यान नहीं दिया। अगर स्कूली बच्चों को प्रार्थना सभाओं में इन घटनाओं के बारे में बताया जाए तो वे अपने परिवारों को जागरूक करेंगे। हिमाचल सरकार को अपने फैसले का दृढ़ता से पालन कराना होगा। ऐसा न हो कि शुरुआत में तो खूब उत्साह रहे, एक-दो महीने बाद पुराना ढर्रा चल पड़े। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि हर सरकारी स्कूल में समाचार पत्र समय पर पहुंचे। इस पहाड़ी राज्य में कुछ स्कूल दुर्गम इलाकों में हैं। अगर वहां प्रार्थना सभा से पहले समाचार पत्र न पहुंचे तो उसे पढ़ने के लिए कोई और समय निर्धारित किया जा सकता है। उस स्थिति में छुट्टी होने से आधा घंटा पहले समाचार सुनाने की व्यवस्था की जा सकती है। अगर इसके बाद (समाचारों पर आधारित) पांच महत्त्वपूर्ण प्रश्न लिखवाए जाएं तो बहुत बेहतर रहेगा। विद्यार्थियों के लिए हर पखवाड़े या महीने में प्रश्नोत्तरी जैसी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा सकता है। उसके विजेताओं को सम्मानित करने का प्रावधान होगा तो विद्यार्थियों का हौसला बढ़ेगा।

ट्वीटर टॉक

भारत में आज जो हालात हैं, उसे सिर्फ दो शब्दों में बयान किया जा सकता है अघोषित आपातकाल क्योंकि अभी ना संविधान सस्पेंड किया गया है, ना राष्ट्रपति ने घोषणा की है, लेकिन जनता के हक, बोलने की आज़ादी, और विपक्ष की आवाज़ दबाने का प्रयास लगातार जारी है।

-अशोक गहलोत

एक कद्दावर नेता और पूर्व मुख्यमंत्री को इस तरह बेवजह के मुद्दे गढ़ता देख अच्छा नहीं लगता। यह अपनी ही गरिमा अपने से खोना है। मुझे तो उन्होंने तमाम सरकारी कार्यक्रमों में बैन करार दे दिया था। प्रोटोकॉल में नाम होने के बावजूद अधिकारी मेरा नाम लेने तक से डरते थे।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में मिनी बस के नदी में गिरने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। इस हादसे में राजस्थान के निवासियों सहित कई नागरिकों के हताहत होने से मन व्यथित है। मैं ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करती हूं।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

हौसले की मिसाल

कम उम्र में ही बीमारियों के कारण वह बच्ची बहरी हो गई। मां ने उसे होंठ से पढ़ना सिखाया। बड़ी होने पर उसे गोताखोरी और तैराकी करना बहुत अच्छा लगने लगा। मां ने उसे गोताखोरी की कोचिंग दिलाई। वर्ष 1964 में टोक्यो ओलंपिक के लिए अमेरिकी टीम के ट्रायल में वह बारहवें स्थान पर रही। मगर स्पाइनल मेनिन्जाइटिस की बीमारी ने उसके सपनों को तोड़ दिया। इसके बाद उसने हैंग ग्लाइडिंग, वॉटर स्कीइंग और स्काई डाइविंग जैसे खेलों का अभ्यास शुरू किया। वॉटर स्कीइंग स्पीड रेसिंग उसके लिए उपयुक्त साबित हुई। इसके बाद वह मोटरसाइकिल और रॉकेट-ईंधन वाली कारों की रेसिंग में आगे बढ़ी। अपनी मेहनत से कई स्पीड रिकॉर्ड बनाकर उसने दुनिया को दंग कर दिया। खेलों के दौरान उसकी मुलाकात स्टंटमैन रोनाल्ड डफी हैम्बलटन से हुई और दोनों विवाह के बंधन में बंध गए। हैम्बलटन ने अपनी पत्नी के सपनों को पूरा करने के लिए उसे हेल नीडहम से मिलवाया, जो एक स्टंटमैन से निर्देशक बने थे। नीधम ने युवती को 'स्टंटवुमन' के रूप में दुनिया के सामने प्रस्तुत किया, और पूरा विश्व एक बार फिर दांतों तले उंगलियां दबाकर रह गया।

सामयिक

ईरान और इज़राइल युद्ध में कौन जीता?

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

ईरान और इज़राइल के आकाश में अब शांति के बादल मंडरा रहे हैं। मिसाइलों की बारिश और लड़ाकू विमानों की आवाजें अब नहीं आ रही हैं। लेकिन जमीन पर मलबा ही मलबा है। दोनों देशों को भारी नुकसान हुआ है। युद्ध में कौन जीता, कौन हारा, कौन जीतकर भी हार गया। ये सब बातें बहस की हैं, लेकिन आम नागरिकों को सिर्फ और सिर्फ नुकसान हुआ है। हजारों लोग बेघर हो चुके हैं, हजारों को अपने घर छोड़कर कहीं और भागना पड़ा है, सैकड़ों लोग मारे गये हैं, हजारों घायल हैं। ईरान खुद को विजेता बता रहा तो इज़राइल ने अपने गले में जीत की माला पहन ली है। डोनाल्ड ट्रंप खुद को असली चौधरी बता रहे हैं, लेकिन आंकड़ों को देखने के बाद ही अंजाम पर पहुंचना चाहिए कि असल में कौन जीता है, कौन हारा है, किसे कितना नुकसान हुआ है और इस युद्ध का आगे जाकर क्या असर होने वाला है।

गौरतलब है कि इज़राइल ने 13 जून की रात को ईरान पर एक आश्चर्यजनक हवाई हमला किया, जिससे मध्य पूर्व में एक नया युद्ध शुरू हो गया, जिसमें दोनों देशों ने एक-दूसरे पर घातक हमले किए, जिसमें कोई भी शुरुआती संघर्ष में पीछे हटने को तैयार नहीं था। युद्ध ने केवल रॉकेट दागे और मिसाइलों का विनाश। नागरिक चीखें और सैन्य ठिकानों की राख बनी रही। ईरान ने तेल अवीव जैसे प्रमुख इज़राइली शहरों को निशाना बनाया, जबकि इज़राइल ने ईरानी कमांड और परमाणु संरचनाओं को नष्ट करने के लिए अपनी सारी ताकत का इस्तेमाल किया। तीन ईरानी परमाणु रिएक्टरों पर अमेरिकी हमले के बाद, ईरान ने कतर में एक अमेरिकी बेस को निशाना बनाया। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की। इसने मध्य पूर्व में राजनीति और सुरक्षा को हिला दिया। दोनों देशों के बीच संघर्ष कोई सामान्य संघर्ष नहीं था। इस युद्ध में दोनों देशों ने अपने पास मौजूद सबसे घातक हथियारों का इस्तेमाल किया था। इससे दोनों देशों में भारी तबाही हुई। युद्ध मिसाइलों और ड्रोन तक ही सीमित नहीं था, बल्कि साइबर हमले, परमाणु ठिकानों और सैन्य ठिकानों पर हमले भी थे और ईरान को इसका सबसे बड़ा नुकसान हुआ।

13 जून को, इज़राइल ने राइजिंग लायन नामक एक गुप्त ऑपरेशन के हिस्से के रूप में ईरान के कई सबसे महत्वपूर्ण सैन्य और परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया, जिसमें कम से कम 200 ईरानी सैनिक, तकनीशियन, वैज्ञानिक और वरिष्ठ रिवोल्यूशनरी गार्ड अधिकारी मारे गए, जिनमें कुछ वरिष्ठ वैज्ञानिक भी शामिल थे, और कई ठिकानों को नष्ट कर दिया। मृतकों में 380 नागरिक और 253 सुरक्षा बल के जवान थे। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इज़राइल के हमले में लगभग 400 ईरानी मारे गए और 3,056 घायल हुए। इज़राइल के हमले में कई ईरानी सैन्य कमांडर, परमाणु वैज्ञानिक, नागरिक और आईआरजीसी प्रमुख मारे गए। तेहरान के उत्तर में 100,000 से अधिक लोग भाग गए। युद्ध से पहले, ईरान की अर्थव्यवस्था 3। 5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही थी। युद्ध के कारण विकास 0। 3 प्रतिशत तक गिर गया, उन्होंने कहा कि ईरान की अर्थव्यवस्था का 60 प्रतिशत तेल और गैस निर्यात से आता है। 12 दिनों के हमले ने तीन प्रमुख तेल रिफाइनरियों और पाइपलाइनों को क्षतिग्रस्त कर दिया, उत्पादन में लगभग 35 प्रतिशत की कमी आई और लगभग 10 बिलियन डॉलर का निर्यात नुकसान हुआ।

ईरान ने इज़राइल पर हजारों घातक हमले किए, उनमें से ज्यादातर इज़राइल की मजबूत वायु रक्षा प्रणालियों आयरन डोम, डेविड स्लिंग और एरो सिस्टम द्वारा हवा में नष्ट कर दिए गए। हालांकि, कुछ मिसाइलें और ड्रोन आवासीय क्षेत्रों में गिर गए, जिससे इज़राइल को काफी नुकसान हुआ। अस्पताल, आवासीय भवन, रक्षा मंत्रालय, बुनियादी ढांचे को बड़ा नुकसान हुआ था। हजारों लोग अस्थायी रूप से बेघर हो गए थे। वहीं, ईरान के मिसाइल हमलों के कारण इज़राइल के वीजमैन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इसे इस्रायल के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। क्योंकि इज़राइल में यहां कई बड़ी प्रयोगशालाएं थीं। वहां महत्वपूर्ण शोधकर्ता काम कर रहे थे। ईरान के मिसाइल हमले में इज़राइल में करीब 25 से 30 लोग मारे गए थे। तेल अवीव और हाइफा में कुल 24 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। ईरान के हमले में इस्रायल में 200 से अधिक लोग घायल होने की बात कही जा रही है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि युद्ध के दौरान इज़राइल ने एक दिन में 725 मिलियन खर्च किए। यह एक बहुत महंगा युद्ध निकला। अगर संघर्ष कुछ और दिनों तक जारी रहता, तो कुल लागत प्रति माह 12 बिलियन तक पहुंच जाती। इसके अलावा, इज़राइल को आवासीय भवनों, रक्षा मंत्रालय, बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा, हजारों बेघर हो गए, प्रभावित तेल रिफाइनरियों, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और गैस क्षेत्रों को प्रभावित किया, उत्पादन, यात्रा और व्यापार रोक दिया।

युद्ध के अंत में, ईरान ने कतर में अमेरिकी सैन्य अड्डे अल-उदेद पर मिसाइल हमले के साथ दुनिया को आश्चर्यचकित कर दिया, जिसे ईरान ने फोर्डो, नतांज और इस्फ़हान में ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के जवाब में अंजाम दिया। हालांकि, बाद में यह कहा गया कि ईरान ने कतर और संयुक्त राज्य अमेरिका को हमले के बारे में पहले ही सूचित कर दिया था, जिससे यह सवाल उठ गया कि यह किस तरह का हमला था। कतर में अमेरिकी हवाई अड्डे पर ईरान का हमला केवल प्रतीकात्मक था। जान-माल के नुकसान को कम करने के लिए यह जानकारी पहले ही दे दी गई थी। ईरान की अधिकांश मिसाइलें नष्ट हो गईं और कोई हताहत नहीं हुआ। अमेरिकी हमले के बाद जवाबी कार्रवाई में ईरान ने यह हमला किया था। इसकी पुष्टि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की है। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में, उन्होंने कहा कि ईरान की प्रतिक्रिया कमजोर और अपेक्षित थी और उम्मीद है कि कोई और नफरत नहीं होगी, यह कहते हुए कि ट्रम्प ने ईरान को हमले की अग्रिम सूचना देने के लिए धन्यवाद दिया, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ और कोई घायल नहीं हुआ। शायद अब ईरान इस क्षेत्र में शांति और सद्भाव की ओर बढ़ सकता है और इज़राइल को शांति के मार्ग पर चलने के लिए कह सकता है।

कुछ घंटों बाद, ट्रम्प ने एक दूसरे पोस्ट में घोषणा की कि ईरान और इजराइल एक पूर्ण और स्थायी संघर्ष विराम के लिए सहमत हुए थे, जो अगले छह घंटों में प्रभावी होगा, लेकिन ट्रम्प के दावे को भी अब तक खारिज कर दिया गया है। ईरान और इज़राइल एक भयंकर युद्ध में लगे हुए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका ने 22 जून को ईरानी परमाणु ठिकानों पर हमला किया और कहा कि यह एक बार का हमला था। ईरान पर जवाबी कार्रवाई करने का दबाव था। बेस पर हमला करते समय भी, ईरान एक बड़ा युद्ध नहीं चाहता था क्योंकि इसकी अर्थव्यवस्था पहले ही कमजोर हो चुकी है। यही कारण है कि ईरान ने कतर में अल-उदीद बेस को निशाना बनाया, जहां अमेरिकी सेना के मध्य कमान का मुख्यालय स्थित है। कतर में हमले का एक और कारण यह है कि ईरान और कतर के बीच अच्छे संबंध हैं।

कतर ने इस क्षेत्र में तटस्थ मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। इज़राइल और हमास के बीच वार्ता में कतर की मध्यस्थता सफल रही। हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया गया था। अमेरिका ने पिछले सप्ताह अल-उदीद से अपने अधिकांश विमानों को ग्राउंडेड कर दिया था। 19 जून तक, केवल पांच अमेरिकी विमान बचे थे। इससे यह स्पष्ट होता है कि हमले के पीछे ईरान का इरादा बहुत नुकसान पहुंचाने के बजाय अपनी ताकत दिखाना था, इसलिए युद्ध, जो कई बार गंभीर और कभी-कभी लूटपाट लग रहा था, नियंत्रण में लाया गया लगता है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इसने वास्तव में कुछ हासिल किया है, खासकर जब से ईरान ने अमेरिकी हमले से पहले अपने समृद्ध यूरेनियम को स्थानांतरित करने की बात कही थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इराक-इज़राइल युद्ध के अंतिम 12 दिनों पर संघर्ष विराम की घोषणा की। बेशक, दोनों देशों ने अभी भी एक-दूसरे पर हमला किया। इज़राइल ने भी युद्धविराम के लिए सहमति व्यक्त की, यह मानते हुए कि ईरानी परमाणु बम के विनाश के कारण संघर्ष विराम में कोई समस्या नहीं थी।

यह बात किसी से नहीं छिपी कि इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ईरान पर हमला करना चाहते थे। अभी पूरे गाजा पर कब्जा और हमास के सफाए के साथ ईरान के खतरे को कम करना, मानों उनकी जिंदगी का यही एक सबसे बड़ा मकसद था। उन्हें डर इस बात का है कि ईरान परमाणु हथियार बना रहा है। लेकिन क्या उन्होंने ईरान पर हमले के पहले इराक युद्ध से कोई सबक नहीं लिया था।

आज से 23 साल पहले 2002 में संयुक्त राज्य कांग्रेस में गवाही देते हुए तत्कालीन पूर्व इज़राइली प्रधान मंत्री के रूप में बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी सांसदों से कहा था कि आतंकवाद के खिलाफ युद्ध जीतने, इराक और आतंकवादी समूहों को सामूहिक विनाश के हथियार हासिल करने से रोकने के लिए इराक पर आक्रमण आवश्यक था। उन्होंने यहां दावा किया कि युद्ध जल्द खत्म हो जाएगा और न केवल इराक में, बल्कि ईरान सहित पूरे क्षेत्र में लोकतंत्र के एक नए युग की शुरुआत होगी।

नजरिया

बेटियों के लिए मोह बढ़ना संतुलित समाज का आधार

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

दुनियाभर में माता-पिता आमतौर पर अब तक बेटियों की तुलना में बेटों को ज्यादा पसंद करते आ रहे हैं, लेकिन प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में एक सूक्ष्म, महत्वपूर्ण और बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि अब लड़के की तुलना में लड़कियों को अधिक पसंद किया जाने लगा है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि लड़कियों के प्रति पूर्वाग्रह कम है और संभवतः लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह ज्यादा है। नए साक्ष्य एवं अध्ययन इस बदलाव का संकेत देते हैं, जो संभवतः बढ़ते एकल परिवार परम्परा, तथाकथित आधुनिक-सुविधावादी जीवनशैली एवं कैरियर से जुड़ी प्राथमिकताओं के चलते लड़कों से जुड़े एक सूक्ष्म भय, उपेक्षा एवं उदासीनता को उजागर करते हैं। द इकोनॉमिस्ट' द्वारा ताजा प्रकाशित रिपोर्टों में, लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में कुछ ऐसे ही दिलचस्प रुझान सामने आए हैं, जिसमें लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में माता-पिता अब लड़कों की तुलना में लड़कियों को भविष्य की सुरक्षा को लेकर अधिक पसंद कर रहे हैं। विकासशील देशों में, लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह कम हो रहा है, जबकि अमीर देशों में लड़कियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, युवा पुरुषों और महिलाओं के बीच लैंगिक भूमिकाओं को लेकर विचारों में अंतर बढ़ता जा रहा है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में, भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है, जो पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे है, और इसका लैंगिक समानता स्कोर 64.1 प्रतिशत है। वर्तमान प्रगति की दर से, पूर्ण लैंगिक समानता प्राप्त करने में 134 वर्ष लगेंगे, जो दर्शाता है कि प्रगति की समग्र दर धीमी है। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि दुनिया भर में लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति हो रही है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत के लिये लैंगिक समानता की दिशा में दो पायदान की गिरावट का सबसे बड़ा कारण महिला समानता को लेकर चल रहे आन्दोलन है। भारत की बेटियां आज अंतरिक्ष से लेकर खेल के मैदान तक में बुलंदियां छू रही हैं। वे परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में उल्लेखनीय भूमिकाओं का निर्वाह कर रही है। सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'सुकन्या समृद्धि योजना' जैसे सराहनीय पहल के जरिए बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं।

इक्कीसवीं सदी की चौखट पर खड़ी दुनिया में बड़े व्यापक बदलाव हो रहे हैं। इंसानी रिश्तों की अहमियत को लेकर भी नई सोच पनप रही है। अब अमेरिका, दक्षिण कोरिया, भारत और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या है? दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती

जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता, परिवार सार-संभालकर्ता, माता-पिता के प्रति जिम्मेदारी निर्वाहकर्ता के रूप में देखा जाने लगा है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी होने से अनेक पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिये अधिक संवेदनशील है। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं।

पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। भारत में भी यही स्थितियां देखने को मिल रही है। जबकि सदियों से भारत की समाज-व्यवस्था एवं परिवार-परम्परा पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। जिसके चलते शिशु लिंग अनुपात में असंतुलन बढ़ता गया है। देश में हुई 2016 की जनगणना में लड़कों की तुलना में लड़कियों की घटती संख्या के आंकडे़ चौंकाते ही नहीं बल्कि दुखी भी करते हैं। जिस तरह से लड़के-लड़कियों का अनुपात असंतुलित हो रहा है, उससे ऐसी चिन्ता भी जतायी जाने लगी है कि यही स्थिति बनी रही तो लड़कियां कहां से लाएंगे? हालत यह है कि आंध्र प्रदेश में 2016 में प्रति एक हजार लड़कों के मुकाबले महज आठ सौ छह लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया। हालांकि, अब आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि देश में शिशु लिंग अनुपात दर में सुधार हुआ है।

जन्म से पहले ही पता चल जाए कि लड़की यानी बालिका पैदा होगी तो माता-पिता उसकी जान लेने से भी नहीं कतराते। कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं इसी सोच का परिणाम बनी। पिछली सदी में समाज के एक बड़े वर्ग में यह एक विभीषिका ही थी कि परिवार की धुरी होते हुए भी नारी को वह स्थान प्राप्त नहीं था जिसकी वह अधिकारिणी थी। उसका मुख्य कारण था सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिका शिक्षा के प्रति संकीर्णता। कितनी विडम्बना है कि देश में हम बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाओं की संख्या घटने का दाग लगता रहा है। यह दाग एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? लेकिन अब इस संकीर्ण सोच में बदलाव आना एक सुखद संकेत है।

अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है, इसे बदलने में अभी भी लम्बा सफर तय करना होगा। बालिकाएं पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। शताब्दियों से हम साल में दो बार नवरात्र महोत्सव मनाते हुए कन्याओं को पूजते हैं। लेकिन विडम्बना देखिये कि सदियों की पूजा के बाद भी हमने कन्याओं को उनका उचित स्थान और सम्मान नहीं दे पाये हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) का सर्वे चिंता बढ़ाने वाला है। सर्वे के अनुसार, लगभग 15 फीसदी भारतीय माता-पिता अभी भी बेटियों की तुलना में बेटों की आकांक्षा रखते हैं। यही वजह है कि हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में विषम शिशु लिंगानुपात चिंता का विषय बना हुआ है।

लड़कियों को भावनात्मक लगाव या घरेलू स्थिरता के लिये तो महत्व दिया जा सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि पोषण, शिक्षा या विरासत तक उन्हें समान पहुंच दी जाए। भारतीय समाज में दहेज जैसी सांस्कृतिक प्रथाएं आज भी बेटी के माता-पिता की बड़ी चिंता बनी रहती हैं। परंपरावादी समाज में यह धारणा बलवती रही है कि बेटियां दूसरे परिवार की हैं। यही वजह है कि ग्रामीण और शहरी गरीब समुदायों में लड़कियां हाशिये पर रख जाती हैं। लेकिन इसके बावजूद भारत को लिंग समानता के वैश्विक आंदोलन की किसी भी तरह अनदेखी नहीं करनी चाहिए। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 वैश्विक लैंगिक अंतर का आकलन और तुलना करने के लिए एक समझने योग्य ढांचा प्रदान करके और उन देशों को उजागर करके जो इन संसाधनों को महिलाओं और पुरुषों के बीच समान रूप से विभाजित करने में रोल मॉडल हैं, रिपोर्ट अधिक जागरूकता के साथ-साथ नीति निर्माताओं के बीच अधिक आदान-प्रदान के लिए उत्प्रेरक का काम करती है। भारत में समान संपत्ति अधिकार लागू करने, दहेज प्रथा की कुरीति को समाप्त करने की दिशा में सख्त कदम उठाने चाहिए। तभी भारतीय समाज में लिंगभेद की मानसिकता खत्म होगी और लैंगिक समानता की दिशा में मार्ग प्रशस्त होगा। साथ ही देश में तेजी से बढ़ती बुजुर्गों की आबादी के लिये बालिकाएं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में आधार बन सकेगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शपथ

कोच्चि में गुरुवार को नशा विरोधी अभियान के दौरान छात्रों ने नशीली दवाओं के उपयोग के खिलाफ शपथ ली।

हंस खिलौना एक्सिओम-4 मिशन के 'चालक दल' का पांचवां सदस्य

नई दिल्ली/भाषा। एक्सिओम–4 मिशन के 'चालक दल' के नये सदस्य 'जॉय' नाम के एक हंस खिलौने को उस वक्त ड्रैगन अंतरिक्ष यान में तैरते हुए देखा गया, जब अंतरिक्ष यात्री बृहस्पतिवार को एक वीडियो लिंक के माध्यम से बातचीत कर रहे थे।

यह खिलौना एक्सिओम–4 मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा ले जाया जाने वाला शून्य गुरुत्वाकर्षण (भारहीनता) सूचक है, जिसका चयन अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के बेटे कियाश के पशु–पक्षियों के प्रति प्रेम के कारण किया गया था।भारहीनता के क्षण को चिह्नित करने के लिए खिलौना ले जाने की परंपरा अंतरिक्ष में जाने वाले पहले मानव यूरी गगारिन के साथ शुरू हुई थी और तब से यह अंतरिक्ष मिशन में एक रस्म बन गई है। पोलिश अंतरिक्ष यात्री स्लावोज उज्नान्स्की–विस्नीव्स्की ने कहा, ''हम यहां हैं, केवल हम चार लोग नहीं, हमारे साथ हमारा 'जीरो–जी' (शून्य गुरुत्वाकर्षण) संकेतक – जॉय भी है – जो हमारे कक्षा में प्रवेश करते ही हमारे साथ तैरने लगा था। जॉय पूरे कैप्सूल में तैर रहा है, कभी–कभी हमें यहां उसे ढूंढना पड़ जाता है।''

'अक्षरधाम : ऑपरेशन वज्र शक्ति' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

जी स्टूडियोज ने कॉन्टिलो पिक्चर्स के सहयोग से बनी बहुप्रतीक्षित एक्शन–ड्रामा 'अक्षरधाम: ऑपरेशन वज्र शक्ति' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित फिल्म 'अक्षरधाम: ऑपरेशन वज्र शक्ति' वर्ष 2002 में गुजरात के अक्षरधाम मंदिर पर हुए आतंकवादी हमले और उसके बाद हुए गुप्त ऑपरेशन 'वज्र शक्ति ' पर आधारित है। केन घोष द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अक्षय खन्ना ने अहम भूमिका निभायी है। निर्देशक केन घोष ने कहा, हमने हर निर्णय के साथ इस बात का ध्यान रखा कि यह सिर्फ एक कहानी नहीं है ।

यह एक राष्ट्रीय त्रासदी थी, एक गहरा घाव, और साथ ही एक साहसी पल भी। अक्षय खन्ना वह तीव्रता और ईमानदारी लाते हैं जो बहुत ही कम कलाकारों में होती है। वह सिर्फ अभिनय नहीं करते ,वह अपने किरदार को पूरी तरह आत्मसात कर लेते हैं। हमें ऐसा व्यक्ति चाहिए था जो बिना नाटकीयता के नेतृत्व, स्थिरता और आंतरिक संघर्ष को बखूबी दर्शा सके। केन घोष ने कहा,'अक्षरधाम –ऑपरेशन वज्र शक्ति' एक फिल्म से कहीं बढ़कर है । यह उस दिन की याद दिलाने वाला एक जरिया है जिसे हम कभी नहीं भूल सकते। यह उन मासूमों को श्रद्धांजलि है जो मारे गए और उन नायकों को सलाम है जिन्होंने हमारे अंधेरे समय में भी साहस दिखाया। चार जुलाई को जब यह फिल्म रिलीज़ होगी, उम्मीद है यह हमारे सामूहिक स्मृति को फिर से जगा पाएगी। ज़ी स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, अभिमन्यु सिंह द्वारा निर्मित और कॉन्टिलो पिक्चर्स के सहयोग से बनी फिल्म 'अक्षरधाम: ऑपरेशन वज्र शक्ति'चार जुलाई 2025 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

'सन ऑफ सरदार 2' का नया पोस्टर जारी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने बुधवार को सोशल मीडिया पर सुपरहिट फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' का नया पोस्ट शेयर किया। इस पोस्टर में उनके सिर पर कई लोगों ने पिस्टल तान रखी है और वह सहमे से नजर आ रहे हैं। अजय देवगन ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया, जिसमें उनकी को–स्टार मृणाल ठाकुर, चंकी पांडेय, रवि किशन, विंदू दारा सिंह, नीरू बाजवा, रोशनी वालिया और अश्विनी कालसेकर जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। पोस्टर में सभी को–स्टार अजय की तरफ पिस्टल ताने खड़े हुए हैं, जबकि अभिनेता सहमे से नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, यह फैमिली फोटो नहीं है, यह होने वाले धमाके की चेतावनी है। इसी के साथ ही उन्होंने हैशटैग 'सरदार इज बैक' और 'सन ऑफ सरदार 2' लिखा। फिल्म को जियो स्टूडियोज, देवगन फिल्म्स और टी–सीरीज ने मिलकर बनाया है। फिल्म में एक्शन, कॉमेडी और भरपूर ड्रामा देखने को मिलेगा। इससे पहले अजय देवगन ने इंस्टाग्राम पर 19 जून को फिल्म के नए पोस्टर के साथ रिलीज डेट भी शेयर की थी, जिसमें वह पगड़ी पहने नजर आ रहे थे। उन्होंने पोस्टर के साथ लिखा, 'द रिटर्न ऑफ द सरदार' अब 25 जुलाई को नजदीकी सिनेमाघरों में।

कॉमेडी फिल्म 'द रिटर्न ऑफ द सरदार' 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि यह फिल्म 2012 की हिट 'सन ऑफ सरदार' का सीक्वल है। इसमें अजय देवगन के साथ मृणाल ठाकुर भी खास भूमिका में नजर आएंगी। साल 2012 में रिलीज हुई 'सन ऑफ सरदार' में सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में थीं। उस फिल्म में अजय देवगन ने जस्सी और संजय दत्त ने बिल्लू का किरदार निभाया था। सीक्वल में संजय दत्त एक बार फिर डॉन के किरदार में लौटेंगे। वहीं, इसमें पहले विजय राज के लिए लिखा गया किरदार अब संजय मिश्रा निभाते दिखेंगे। विजय कुमार अरोड़ा के निर्देशन में बनी यह सीक्वल फिल्म करीब 12 साल बाद आ रही है।

'सन ऑफ सरदार 2' की टक्कर बॉक्स ऑफिस पर सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' से होगी। मैडॉक फिल्म्स की 'परम सुंदरी' भी 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। यह फिल्म एक ऐसे कपल की कहानी है, जो उत्तर और दक्षिण भारत से हैं। फिल्म का निर्देशन तुषार जलोटा ने किया है और इसे दिनेश विजान ने प्रोड्यूस किया है।

गेल 'राइज़ विद एसएपी - एस/4 हाना ऑन क्लाउड' के साथ लाइव होने वाली पहली महारत्न पीएसयू बनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/दक्षिण भारत। गेल (इंडिया) लिमिटेड 'राइज़ विद एसएपी – एस/4 हाना ऑन क्लाउड' के साथ लाइव होने वाली पहली महारत्न पीएसयू बन गई है। गेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संदीप कुमार गुप्ता द्वारा औपचारिक लॉन्च के साथ सफलतापूर्वक लाइव किया गया। इस अवसर पर गेल के निदेशक (वित्त) आरके जैन, निदेशक (परियोजनाएं) दीपक गुप्ता, निदेशक (मानव संसाधन) आयुष गुप्ता, निदेशक (विपणन) संजय कुमार, निदेशक (बीडी) राजीव कुमार सिंघल, मुख्य सतर्कता अधिकारी रजनेश सिंह, एसएपी के भारतीय उपमहाद्वीप के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मनीष प्रसाद और गेल तथा एसएपी के अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

संदीप कुमार गुप्ता ने कहा, 'यह एक रणनीतिक छलांग है, जो हमें अपने ग्राहकों, कर्मचारियों और हितधारकों को और भी अधिक महत्त्व प्रदान करने में मदद करेगी।' आरके जैन ने कहा, 'क्लाउड–सक्षम इंटेलीजेंट ईआरपी सिस्टम में यह ट्रांजिशन टेक्नोलॉजी के बारे में ही नहीं है। यह एक मजबूत, स्मार्ट और अधिक सक्षम उद्यम बनाने के बारे में है।' मनीष प्रसाद ने कहा, 'यह ऐतिहासिक उपलब्धि गेल को दक्षता में तेजी से बढ़ने और एआई की यात्रा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद करेगी।'

अभिनेता रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी मुंबई में आगामी फिल्म 'माँ' की विशेष स्क्रीनिंग में शामिल हुए।

पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाएंगे अभिषेक बनर्जी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बनर्जी सिल्वर स्क्रीन पर पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाते नजर आ सकते हैं। फिल्म स्टोलेन में अपने शानदार अभिनय के लिए सराहे गए अभिषेक बनर्जी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह पुलिस की यूनिफॉर्म में नज़र आ रहे हैं और पूरे जोश में मुस्कुरा रहे हैं। इस तस्वीर ने तुरंत उनके फैंस का ध्यान खींचा और सब सोच में पड़ गए, क्या हमारा फेवरेट 'जना' अब एक सख्त पुलिस वाले का रोल निभाने जा रहा है। हालांकि अभिषेक की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन प्रोजेक्ट से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, हां, अभिषेक जल्द ही ऑन–स्क्रीन एक पुलिस अफसर के रूप में नज़र आएंगे। अपने विविध और गहराई वाले किरदारों के लिए मशहूर अभिषेक बनर्जी इस बार एक दमदार और गंभीर रोल में नज़र आ सकते हैं। इस प्रोजेक्ट की डिटेल्स अभी तक सीक्रेट रखी गई हैं, लेकिन जल्द ही इसका खुलासा होने की उम्मीद है। फिलहाल फैंस उन्हें इस नए अंदाज़ में देखने के लिए बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

बोमन ईरानी ने 'खोसला का घोंसला' में काम करने से कर दिया था मना

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता बोमन ईरानी ने फिल्म खोंसला का घोंसला में काम करने से मना कर दिया था। बोमन ईरानी ने अपने शानदार करियर में एक से बढ़कर एक किरदार निभाए हैं, लेकिन एक ऐसा रोल है जो उनके दिल में खास जगह बनाए हुए है और हैरानी की बात ये है कि इसे उन्होंने पहले ठुकरा दिया था! बोमन ने बताया, जब खोसला का घोंसला का ऑफर आया, मैंने सीधा मना कर दिया। सोचा, 'अरे भाई, ये रोल मेरे लिए नहीं है। ' एक तो मैं पारसी हूं, मुंबई वाला दिल्ली के जमीनी प्लॉट वाला रोल कैसे निभाऊंगा! बोमन उस वक़्त मिस इंडिया कंटेस्टेंट्स के पोर्टफोलियो शूट कर रहे थे, यानी फुल–टाइम फोटोग्राफर मोड में थे। लेकिन स्क्रीनराइटर जयदीप साहनी ने तो ठान लिया था ,'इस आदमी में कुछ तो बात है!' बोमन ने बताया, हर रात जयदीप मुझे फोन करते। एक घंटा बातें होतीं, लेकिन एक बार भी उन्होंने फिल्म का नाम नहीं लिया। बस बात करते किस तरह की फिल्में पसंद हैं, किस चीज़ से प्रेरणा मिलती है। धीरे–धीरे कनेक्शन बनता गया, और दिल से महसूस हुआ कि ये रोल मेरे लिए खास हो सकता है। मैं सेट पर सबसे पहले पहुंचता था। चुपचाप बैठकर सबको देखता, माहौल को समझता, जिससे उस दुनिया में खुद को पूरी तरह ढ़ाल सकूं।

बच्चे की तरह चलना, खाना-पीना सीख रहा हूं, इस अनुभव का आनंद ले रहा हूं : शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली/भाषा। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण की स्थितियों में ''एक बच्चे की तरह'' रहना सीख रहे हैं और जब ड्रैगन अंतरिक्ष यान अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से जुड़ने की अपनी यात्रा में पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा था तो निर्वात में तैरना एक अद्भुत अनुभव था। अंतरिक्ष यान से एक वीडियो लिंक के जरिए अपना अनुभव साझा करते हुए शुक्ला ने कहा कि बुधवार को एक्सिओम–4 मिशन के प्रक्षेपण से पहले 30 दिनों तक पृथक वास के दौरान बाहरी दुनिया से पूरी तरह दूर रहने के बाद ''मेरे दिमाग में केवल यही विचार आया था कि हमें बस जाने दिया जाए।'' शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री फ्लोरिडा स्थित नासा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर सवार होकर 14 दिन के लिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए रवाना हुए थे।

एक्सिओम–4 वाणिज्यिक मिशन के तहत फाल्कन–9 रॉकेट पर सवार हुए इन अंतरिक्ष यात्रियों के बृहस्पतिवार शाम साढ़े चार बजे आईएसएस पहुंचने की संभावना है। शुक्ला ने कहा, ''वाह! अद्भुत सफ़र था! सच कहूँ तो, जब मैं कल लॉन्चपैड पर कैप्सूल ग्रेस में बैठा था, तो मेरे दिमाग में एक ही विचार था कि चलो बस चलते हैं! 30 दिन तक पृथक वास करने के बाद ऐसा लग रहा था कि मैं बस जाना चाहता हूं। उत्साह और सब कुछ बहुत दूर था। बस यही लग रहा था कि चलो बस चलते हैं।''

अंतरिक्ष यात्रियों ने स्पेसएक्स के नए ड्रैगन अंतरिक्ष यान को 'ग्रेस' नाम दिया है। उन्होंने हंस जैसे दिखने वाले एक खिलौने 'जॉय' के बारे में भी बताया जो शून्य गुरुत्वाकर्षण संकेतक है और एक्सिओम–4 मिशन पर चालक दल का पांचवां सदस्य है।

प्रक्षेपण के दौरान गुरुत्वाकर्षण बल का सामना करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए शुक्ला ने कहा कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ जैसे उन्हें अपनी सीट पर पीछे धकेला जा रहा हो। उन्होंने कहा, ''लेकिन जब यात्रा शुरू हुई, तो यह कुछ खास था। आप सीट पर पीछे की ओर धकेले जा रहे थे। यह एक अद्भुत सफर था और फिर अचानक कुछ भी महसूस नहीं हुआ। सब कुछ शांत था और आप बस तैर रहे थे। आप बेल्ट खोलकर निर्वात में तैर रहे थे।''

भारतीय अंतरिक्ष यात्री ने कहा कि निर्वात में जाने के बाद पहले कुछ क्षण तो अच्छे नहीं लगे लेकिन जल्द ही यह एक ''अद्भुत अहसास'' बन गया। शुक्ला ने कहा, ''मैं इसकी अच्छी तरह से आदत डाल रहा हूं। मैं नजारों आनंद ले रहा हूं, अनुभव ले रहा हूं और एक बच्चे की तरह सीख रहा हूं। यह सीख रहा हूं कि कैसे चहलकदमी करूं, अपने आप पर नियंत्रण रखना सीख रहा हूं, खाना–पीना सीख रहा हूं। यह सब बहुत रोमांचक है।'' उन्होंने कहा, ''यह एक नया माहौल, एक नई चुनौती है और मैं यहां अपने साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ इस अनुभव का आनंद उठा रहा हूं। गलतियां करना अच्छा है, लेकिन किसी और को भी गलतियां करते देखना और भी अच्छा है इसलिए यह एक मजेदार वक्त है!''

'आमी डाकिनी' पारंपरिक कहानियों से अलग शो है'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता हितेश भारद्वाज ने कहा कि उनका शो 'आमी डाकिनी' पारंपरिक कहानियों से अलग शो है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का शो 'आमी डाकिनी' हुस्न भी, मौत भी की अनूठी भावना को प्रस्तुत करता है। इसकी कहानी के केंद्र में है डाकिनी,एक रहस्यमयी शख्सियत, जिसकी खामोशी बहुत कुछ कहती है, जिसकी नजरें बेचैन कर देती हैं और जिसकी मौजूदगी लंबे समय तक महसूस होती है। इस कथा का मूल है अयान राय चौधरी, जिसे निभा रहे हैं हितेश भारद्वाज । एक संशयवादी जो अनजाने ही एक रहस्यमयी और अप्रत्याशित दुनिया की ओर खिंचता चला जाता है। हितेश ने कहा,आमी डाकिन' पारंपरिक कहानियों से अलग है। यह परतों में बसी हुई, भावनात्मक और गहराई से भरी हुई है। अयान के रूप में मुझे पारंपरिक ड्रामा से हटकर खामोशी पर ध्यान केंद्रित करना पड़ा। उन बातों पर जो कही नहीं जातीं। यही असली चुनौती थी। इसने मुझे सिखाया कि ऐसी कहानियों में माहौल, दृश्य से कहीं अधिक मायने रखता है। हर नजर, हर ठहराव का अपना अर्थ होता है। आप किसी सीन पर प्रतिक्रिया नहीं दे रहे होते। आप उस माहौल से जुड़ रहे होते हैं जहां हुस्न भी है और मौत भी। 'आमी डाकिनी' का प्रसारण हर सोमवार से शुक्रवार रात 8:00 बजे, केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न और सोनीलिव पर होता है।

कुछ कहानियां सुनानी जरूरी होती हैं : चित्रांगदा सिंह

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह अपनी अपकमिंग फिल्म 'परिक्रमा' को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि इस फिल्म की शूटिंग उनके लिए एक भावनात्मक अनुभव बन गई। चित्रांगदा का मानना है कि कुछ कहानियां ऐसी होती हैं, जिन्हें सुनाना जरूरी होता है। फिल्म का निर्देशन गौतम घोष कर रहे हैं। इसमें मार्को लियोनार्डी और क्रिस्टीना डोनाडियो भी अहम भूमिकाओं में हैं। चित्रांगदा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के पोस्टर के साथ बीटीएस पल भी शेयर किए। उन्होंने कैप्शन में लिखा, कुछ फिल्में हमारा मनोरंजन करती हैं और कुछ कहानियां ऐसी होती हैं, जिन्हें सुनाना जरूरी होता है। 'परिक्रमा' ऐसी ही एक फिल्म है, जिसका हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। इस फिल्म की शूटिंग मेरे लिए एक भावनात्मक अनुभव बन गई। चित्रांगदा ने निर्देशक गौतम घोष का आभार व्यक्त किया, जो 1997 में इटली में 'विटोरियो डि सिका' पुरस्कार से सम्मानित होने वाले एकमात्र भारतीय हैं। उन्होंने लिखा, गौतम घोष, मुझे इस जर्नी का हिस्सा बनाने के लिए धन्यवाद। 'परिक्रमा' 27 जुलाई को रिलीज हो रही है। फिलहाल फिल्म की कहानी को गोपनीय रखा गया है। गौतम घोष ने साल 1973 में डॉक्यूमेंट्री बनाई थी। फिल्म निर्माता ने कलकत्ता में थिएटर कैंपेन में भी सक्रिय रूप से भाग लिया था। उन्होंने कुछ समय फोटो जर्नलिस्ट के रूप में भी काम किया। घोष ने 1973 में अपनी पहली डॉक्यूमेंट्री 'न्यू अर्थ' बनाई और उसके बाद 'हंग्री ऑटम' बनाई। इसके बाद उन्होंने कई फीचर फिल्में और डॉक्यूमेंट्री बनाई। वर्कफ्रंट की बात करें तो चित्रांगदा हाल ही में 'हाउसफुल 5' में नजर आई थीं, जिसका निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया। इस फिल्म में चित्रांगदा के साथ अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडीज, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे सितारे अहम भूमिका में हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

कर्नाटक सरकार द्वारा विधान सभा के पिछले सत्र में जैन समाज के उत्थान हेतु घोषित जैन विकास बोर्ड के गठन की घोषणा पर जोन के अध्यक्ष प्रवीण बाफना के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने कर्नाटक सरकार के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री बीजेड जमीर अहमद खान से भेंट कर जैन समाज के उत्थान के प्रति समर्पित कर्नाटक सरकार का आभार व्यक्त किया।

बेंगलूरु जैन सेवा मंडल की साधारण बैठक में लिए गए अनेक निर्णय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बेंगलूरु जैन सेवा मंडल की साधारण सभा अध्यक्ष वंसतकुमार वेदमुथा के नेतृत्व में कॉटनपेट में आयोजित हुई। बैठक में पिछली रिपोर्ट की जानकारी, नए पदाधिकारियों के चयन आदि मुख्य मुद्दों पर चर्चा की गई। सचिव प्रकाश भोजानी ने बताया कि संस्था की नई कार्यकारिणी के गठन हेतु आम सहमति से 13 जुलाई को बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

ज्ञातव्य है कि संस्था गत 35 वर्षों से धार्मिक, सामाजिक, आध्यात्मिक कार्य सहित कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृति वितरण का कार्य भी करती आ रही है। उपाध्यक्ष दिलीप वेदमुथा ने संस्था के कार्यों की जानकारी दी। रमेशकुमार सालेचा ने सभी को धन्यवाद दिया। बैठक में विशेष योगदान देने के लिए माणकमल भंडारी एवं विमल गुरु को विशेष आमंत्रित सदस्य मनोनीत किया गया। इस बैठक में कोषाध्यक्ष मदनलाल वेदमुथा, कीर्तिकुमार बंदामुथा, पदमराज मुथा, प्रकाश नाहर, पारसमल राठौड़, देशमल पटियात, जीतमल वेदमुथा, कान्तिलाल गांधीमुथा, जवेरीलाल सदानी आदि उपस्थित थे।

जेबीएन वी-कनेक्ट' ने आयोजित किया ऑफिस दर्शन कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो जेबीएन वी-कनेक्ट महिला व्यवसाय समूह ने ऑफिस दर्शन कार्यक्रम के तहत वाणी विलास रोड स्थित क्राफ्टर्स' प्रतिष्ठान का दौरा किया। लेडीज विंग की कोषाध्यक्ष एवं जेबीएन संयोजिका तनुजा मेहता तथा संयुक्त सचिव सुमन रांका की उपस्थिति में क्रिएटाइट और माइंडफुल आर्ट वर्कशॉप्स की संस्थापिका अंजना जैन ने मेजबानी करते हुए प्रतिष्ठान के बारे में जानकारी दी। क्राफ्टर्स' पुरुषों के वेडिंग कलेक्शन जैसे शेरवानी, बंडी और इंडो-वेस्टर्न परिधान हस्तशिल्प के माध्यम से तैयार करती हैं। इस कार्यक्रम में रेफ़रल हेड मीना जैन, रेफ़रल लीड लीला पितलिया एवं रेफ़रल सचिव सीए सुखदेवी जैन की सक्रिय भूमिका रही।

जीतो जेबीएन स्वयं वी-प्रेन्योर की बैठक में नए रेफरल टीम की हुई घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो लेडीज़ विंग साउथ द्वारा गठित जेबीएन समूह स्वयं वी-प्रेन्योर की बैठक बुधवार को चामराजपेट स्थित जीतो कार्यालय में हुई। लेडीज विंग की अध्यक्षा बबीता रायसोनी ने उपस्थित 31 सदस्याओं व अन्य उपस्थित जनों का स्वागत किया और कहा कि जब महिलाएँ हाथ में हाथ मिलाकर, उद्देश्य के साथ आगे बढ़ती हैं, तो वे केवल अपने व्यवसाय को नहीं, बल्कि पूरे समाज को नई दिशा देती हैं। इस अवसर पर नई रेफ़रल टीम की घोषणा की गई, जिसमें निशा कोठारी को रेफ़रल प्रमुख, राजुल किशोर जैन को रेफ़रल लीड और सलोनी नेतानी को सचिव पद का दायित्व सौंपा गया। तीनों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्याओं को तीस सेकंड में अपने-अपने व्यवसाय का संक्षिप्त परिचय देने का अवसर मिला। बैठक के फैशन विशेषज्ञ लताशा भंडारी द्वारा एक विशेष स्टाइलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें पावर ड्रेसिंग और प्रभावशाली फैशन के बारे में उपयोगी टिप्स दिए गए। इस मौके पर कुछ चयनीत विशेष सदस्याओं का सम्मान किया गया। सलोनी नेतानी ने धन्यवाद दिया।

मैत्री, प्रमोद और कारुण्य भावों से ही होगी विश्वशांति : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। गुरुवार को आषाढ़ी नूतन माह के शुभारंभ के अवसर पर गुरुवार को महावीर समुदाय भवन में आयोजित विशिष्ट धार्मिक कार्यक्रम में जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मैत्री भावना का विस्तार भावमंगल है।

सर्वमंगल की कामना में ही स्व मंगल की प्रार्थना निहित है। सिर्फ चाहने से अपना मंगल नहीं हो जाता, सबके आनंद-मंगल की प्रार्थना से अपना मंगल होता है। स्वार्थवृत्ति नहीं, परमार्थ की भावना से अपना और अपने परिवार का मंगल होगा। उन्होंने कहा कि शत्रुता को दूर करने और विश्व में शांति की स्थापना के लिए मैत्री भावना का विस्तार होना चाहिए। मैत्री की वह भावना अपने समाज और परिचित व्यक्तियों से आगे बढ़कर सर्व जीवों तक व्यापक बननी चाहिए। आध्यात्मिक उन्नति का वह चरम बिंदु है। जब सर्वजीवों के प्रति मैत्री होती है तो किसी को भी दु:ख देने का मन नहीं होता और दूसरों के दु:ख दूर करने की तत्परता जगती है। मैत्री की भावना ही करुणा भावना को जन्म देती है। फिर किसी की प्रगति देखकर इर्ष्या या जलन नहीं होती, बल्कि मन प्रमुदित होता है। दूसरों की अच्छाइयों को देखकर प्रसन्न होना, प्रमोद भावना है। मैत्री, प्रमोद और कारुण्य मनोभावनाओं में जीवन का विरल संगीत छिपा है। ऐसे दिव्य संसार में न युद्ध होंगे, न हत्या और ना ही कोई हिंसा।

तेरापंथ के आकाश मुनिजी ने कहा कि जैनशास्त्रों ने अहिंसा की सूक्ष्मतम परिभाषा दी है। सूक्ष्म जीव-जंतुओं तक को बचाने की भावना धर्म और शास्त्रों की व्यवहारिक सार्थकता है। मात्र कायिक और वाचिक पाप ही नहीं होते, मन की भूमिका पर जाने-अनजाने हजारों-हजारों पाप-अपराध होते हैं। वे वाचिक और कायिक पापों से कई गुना अधिक निकृष्ट होते हैं। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी के सान्निध्य में सभी श्रमणों ने सामूहिक विशिष्ट मंगलपाठ प्रस्तुत किया। मंत्रजाप के बारे में तलस्पर्शी विवेचना हुई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। राग भूपाली में चौबीस तीर्थंकरों के संगीतमय सामूहिक मंत्रजाप हुए। दूसरा कार्यक्रम तेरापंथ भवन में आयोजित हुआ, जिसमें दो परंपराओं के मिलन से समाज में खुशी की लहर छा गई। आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने आपसी प्रेम, सामाजिक संगठन और सिद्धांतों के प्रति अपनी कटिबद्धता को महत्वपूर्ण बताया। गणि पद्मविमलसागरजी, आकाश मुनिजी और हेमेंद्र मुनिजी ने भी धर्मसभा को संबोधित किया। वहां से श्रमण संघ मेहता परिवार के निवासस्थान पर पहुंचा, जहां स्वस्तिक रचना और मंगल कलशों से महिलाओं व कन्याओं ने संतों का स्वगात किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

पैलेस ग्राउंड पर गौभक्ति संध्या व श्रीकृष्ण मंदिर प्रतिष्ठा संबंधी चढ़ावा कार्यक्रम आज

बिलावास गौशाला सेवा समिति कर रही है आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बिलावास गौशाला सेवा समिति के तत्वावधान में राजस्थान में स्थित गौशाला परिसर में 25 नवम्बर से भगवान श्रीकृष्ण के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित किया गया है, उसी उपलक्ष्य में समिति द्वारा आज शुक्रवार को शाम 6 बजे से शहर के पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में गौभक्ति संध्या व भगवान श्रीकृष्ण मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के संबंधित विभिन्न बोलियां बोली जाएंगी।

इस भक्ति संध्या में भजन गायक गजेन्द्र राव, लोकगीत गायिका डॉ अर्चना भार्गव व कैलाश पंवार भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी तथा भक्ति के दौरान प्रतिष्ठा संबंधित विभिन्न चढ़ावे बोले जाएंगे। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में बिलावास के धर्मगुरु घनश्यामदासजी महाराज, बेंगलूरु के गौभक्त पुखराजजी महाराज, गौरक्षण शाला के अध्यक्ष रायचन्द छाजेड़, उवसंग्हार पार्श्व तीर्थ के अध्यक्ष गजराज पगारिया, सुराणा संघ के पूर्व अध्यक्ष सरदारमल सुराणा, जीतो नार्थ के चेयरमैन विमल कटारिया आदि उपस्थित होंगे। इसके अलावा अन्य गणमान्यजन अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे। बिलावास गौशाला सेवा समिति के अध्यक्ष इन्दरचन्द बोहरा, मंत्री नरेन्द्रकुमार आच्छा व कोषाध्यक्ष अमराराम चोयल सहित पूरी टीम इस आयोजन की तैयारियों में जुटी हुई हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आमंत्रण

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) गदग चैप्टर की लेडीज विंग द्वारा आयोजित हो रहे क्षेत्रीय स्तर के व्यापार मेले उड़ान 2.0' के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एमबी. संकाद से मुलाकात कर उन्हें उड़ान के लिए अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। गदग लेडीज विंग की स्वीटी भंसाली, वरिष्ठ सदस्य सुरेश ओसवाल, संयोजक जितेंद्र जैन, मुख्य सचिव इंदिरा बागमार ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर उन्हें 28 और 29 जून को आयोजित उड़ान' प्रदर्शनी की जानकारी दी।

ग्वालियर से बेंगलूरु के लिए नई साप्ताहिक एक्सप्रेस सेवा प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ग्वालियर से बेंगलूरु के लिए शुरू की गई नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन के शुभारंभ किया। इस अवसर पर रेल भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मध्य प्रदेश की जनता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह ट्रेन ग्वालियर, गुना, भोपाल सहित मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के यात्रियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी, जहाँ से बड़ी संख्या में लोग बेंगलूरु की ओर यात्रा करते हैं।

केंद्रीय रेल मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में रेलवे के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति हुई है। एक दशक पूर्व जहाँ राज्य को 600 करोड़ के आसपास रेल बजट प्राप्त होता था, वहीं वर्तमान में 14,745 करोड़ का रेल बजट आवंटित किया गया है। मध्य प्रदेश में 100 प्रतिशत रेल विद्युतीकरण पूर्ण किया जा चुका है। बीते 11 वर्षों में राज्य में 2,651 किलोमीटर नई रेल पटरियाँ बिछाई गई हैं, जो डेनमार्क जैसे देश के कुल रेल नेटवर्क से भी अधिक है। राज्य में 80 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है, जिनमें ग्वालियर स्टेशन का विकास विशेष वास्तुकला के साथ किया जा रहा है।

गाड़ी संख्या 11086 ग्वालियर-बेंगलूरु एक्सप्रेस प्रत्येक शुक्रवार को दोपहर 15:00 बजे ग्वालियर से प्रस्थान करेगी और नागपुर, काचीगुड़ा, धर्मावरम होते हुए रविवार सुबह 07:35 बजे सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलूरु पहुँचेगी। वापसी में, गाड़ी संख्या 11085 प्रत्येक रविवार को शाम 15:50 बजे बेंगलूरु से रवाना होकर मंगलवार को सुबह 10:25 बजे ग्वालियर पहुँचेगी। यह गाड़ी शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, बीना, भोपाल, बैतूल, नागपुर, सेवाग्राम, चंद्रपुर, बल्लारशाह, सिरपुर कागजनगर, काजीपेट, काचेगुड़ा, महबूबनगर, गडवाल, कुरनूल सिटी, ढोन, अनंतपुर, धर्मावरम, हिंदूपुर और येलहंका स्टेशनों पर रुकेगी। इस साप्ताहिक ट्रेन में कुल 22 एलएचबी कोच होंगे, जिनमें चार सेकंड सिटिंग, चार तृतीय वातानुकूलित, तीन तृतीय वातानुकूलित इकोनॉमी, दो द्वितीय वातानुकूलित तथा शेष स्लीपर श्रेणी के कोच शामिल हैं। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, केंद्रीय संचार तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर तथा रेलवे के वरिष्ठ अधिकारीगण कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित रहे।

सांवले रंग के कारण अपमान से आहत छात्रा ने की आत्महत्या

मंगलूरु। बीए द्वितीय वर्ष की एक छात्रा ने तालापाडी के किन्या स्थित अपने घर में फांसी लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान श्रेया (19) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि सिरदर्द से पीड़ित यह छात्रा मानसिक तनाव से गुजर रही थी। पुलिस ने यहां बताया कि यह घटना मंगलवार को हुई। उनके अनुसार, श्रेया के कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें उसने लिखा है कि उसे उसके सांवले रंग के लिए अपमानित किया जाता था। मई में एक पर्चे पर उसने लिखा था कि कोई उससे प्यार नहीं करता और उसके परिवार को उसकी वजह से परेशानी हो रही है अत: उसे नहीं जीना चाहिए । पुलिस के अनुसार, उसने अपने कमरे की अलमारी पर यह भी लिखा था, मुझे यह पीढ़ी पसंद नहीं है, इसलिए मैंने आत्महत्या करने का फैसला किया। यह भी पता चला है कि वह अपने पहले सेमेस्टर में दो विषयों में फेल हो गई थी। परिवार के सूत्रों ने बताया कि श्रेया शांत स्वभाव की लड़की थी और दूसरों से बहुत कम मिलती-जुलती थी।

जीतो केकेजी जोन ने जैन विकास बोर्ड के गठन की प्रक्रिया तेज करने का अनुरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । कर्नाटक सरकार द्वारा विधान सभा के पिछले सत्र में जैन समाज के उत्थान हेतु घोषित जैन विकास बोर्ड के गठन की घोषणा पर जोन के अध्यक्ष प्रवीण बाफना के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने कर्नाटक सरकार के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री बीजेड जमीर अहमद खान से भेंट कर जैन समाज के उत्थान के प्रति समर्पित कर्नाटक सरकार का आभार व्यक्त किया। केकेजी जोन के अल्पसंख्यक संयोजक सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि जैन समाज के विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल, समाज की प्रतिभाओं के लिए अलग से कौशल विकास केन्द्र, प्रधानमंत्री 15 सूत्री योजना में समाज को उचित प्रतिनिधित्व, जैन विद्यार्थियों के आवासीय विद्यालय हेतु ज़मीन उपलब्ध कराने, समाज के उद्योगपतियों के लिए विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत औद्योगिक जमीन में आरक्षण की मांगों का ज्ञापन भी अल्पसंख्यक मंत्री को सौंपा।

मंत्री जमीर अहमद ने प्रतिनिधि मंडल से कहा कि कर्नाटक अल्पसंख्यक विकास निगम की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कर्नाटक सरकार अल्पसंख्यकों की सहायता के लिए पहले से ही प्रतिबद्ध है तथा जैन समाज के जरूरतमंदों के लिए जैन विकास निगम के गठन के संकल्प से सरकार के समाज के प्रति समर्पण की झलक मिलती है। उन्होंने राजनीति के प्रति कम उत्साही जैन समाज से उत्साहपूर्वक राजनीति में आगे बढ़ने का सुझाव दिया तथा जैन विकास बोर्ड के गठन की प्रक्रिया में तेजी लाने का आश्वासन भी दिया।

इस मौके पर कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति अल्पसंख्यक के प्रदेश अध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य के. अब्दुल जब्बार व एडमिन इरशाद अहमद शेख विशेष रूप से उपस्थित थे। प्रतिनिधि मंडल में जोन के प्रोफेशनल फोरम संयोजक मुकेश सुराणा एवं स्कॉलरशिप समिति के अमित कोठारी भी शामिल थे।

आदिनाथ मूर्तिपूजक ट्रस्ट शंकरपुरम की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

संघ की सेवा हेतु नई ऊर्जा एवं समर्पण का हुआ संकल्प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय आदिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट शंकरपुरम की नई कार्यकारिणी समिति ने केसरिया मंदिर के नए भवन में शपथ ग्रहण की। वर्ष 2025-28 के लिए ट्रस्ट के अध्यक्ष रमेश कुमार कोठारी, उपाध्यक्ष मीठालाल ओस्तवाल, सुरेश पावेछा, मंत्री विजय कुमार बागरेचा, सहमंत्री महेन्द्र कुमार छाजेड़, संदीप खांटेड़, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार मेहता, सहकोषाध्यक्ष मदनराज बोहरा, कल्पेश खांटेड़ सहित 9 कार्यकारिणी सदस्यों ने संघ के धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा कार्यों को नई ऊंचाई देने का संकल्प लिया। ट्रस्ट मंडल के नरेन्द्र सामर, पारस भंडारी, प्रकाश बड़ोला, मुकेश पुनमिया, कुशल पिरगल, राणमल बागरेचा, गणपत छाजेड़ आदि ट्रस्टियों व कार्यकर्ताओं को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। नए पदाधिकारियों ने अपनी आगामी योजनाओं की जानकारी देते हुए जिम्मेदारी देने के लिए सभी को धन्यवाद दिया। उपस्थित वरिष्ठजनों ने नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी ।

तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर की नई कार्यकारिणी कमेटी ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर की नई कार्यकारिणी समिति ने गुरुवार को साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। पूर्व अध्यक्ष सुमन पटावरी ने नवनियुक्त अध्यक्ष मंजू बोथरा को शपथ दिलवाई। नई अध्यक्ष ने नई कार्यकारिणी समिति में उपाध्यक्ष ममता दुगड़, सीमा छाजेड़, मंत्री वंदना भंसाली, कोषाध्यक्ष सुधा दुगड़, सहमंत्री पूनम दक, आशा लोढ़ा, प्रचार प्रसार मंत्री पूनम दुगड़, संगठन मंत्री श्वेता कोठारी के नाम की घोषणा की। कन्या मंडल प्रभारी वनीता दुगड़ सहित अन्य कार्य समिति सदस्याओं के नाम की घोषणा की गई। अध्यक्ष मंजू बोथरा ने संघ व संघपति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आगामी चातुर्मास में सबको सक्रिय रहने की बात रखी। वरिष्ठ सदस्याओं ने नई कमेटी को शुभकामनाएं दी।

साध्वीश्री ने संगठन को मजबूत बनाते हुए गुरु इंगित की आराधना एवं अभातेमम द्वारा निर्देशित कार्यक्रम का अनुपालना करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन पदमा मेहर ने किया। मंत्री वंदना भंसाली ने धन्यवाद दिया।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आचार्य श्री पार्श्वचंद्र जी एवं डा. मुनि पदमचंद जी के दीक्षा दिवस के मौके पर अमावस्या पर जेपीपी महिला फाउंडेशन अलसूर की चेयरपर्सन गायत्री गादिया के नेतृत्व में सदस्याओं ने बुधवार को जयनगर स्थित वात्सल्यपुरम ट्रस्ट के बच्चों को भोजन कराया। फाउंडेशन की अध्यक्ष दीपा बोहरा, मंत्री समता छाजेड़ के साथ अनेक सदस्याओं ने मानवसेवी कार्य में सेवा प्रदान की।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com